कोटद्वार, बुधवार
17 दिसम्बर 2025
वर्षः 48
अंकः 209 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नगेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

संदिग्ध परिस्थितियों में पत्रकार की मौत

देहरादून। राजपुर थाना क्षेत्र के दून विहार इलाके में मंगलवार तड़के एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक का शव उनके किराये के मकान में फर्श पर पड़ा मिला। मौत से ठीक एक रात पहले मृतक के साथ उसके दो परिचितों ने मारपीट की थी। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। जिसके बाद पुलिस ने विसरा सुरक्षित रख लिया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर राजपुर प्रदीप सिंह ने रावत ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब आठ बजे कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि दून विहार स्थित मकान में किराये पर रहने वाले पंकज मिश्रा अचेत अवस्था में पड़े हैं। सूचना पर राजपुर पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। पुलिस ने देखा कि पंकज घर के पिछले कमरे में बेड के पास मुंह के बल फर्श पर गिरे थे और उनकी सांसें थमी हुई थीं। उन्हें तुरंत दून अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौके पर मौजूद मृतक की पत्नी ने पुलिस को बताया कि तड़के करीब 3:30 से 4:00 बजे के बीच पंकज ने पेट दर्द और बेचैनी की शिकायत की थी। वह टॉयलेट गए थे। बाहर आते समय पैर फिसलने से गिर गए। पत्नी के मुताबिक पति का वजन अधिक होने के कारण वह उन्हें उठाकर बेड पर नहीं लिटा सकीं। इसलिए नीचे ही कंबल ओढ़ाकर सुला दिया। सुबह जब शरीर में कोई हरकत नहीं हुई तो उन्होंने मकान मालिक और पुलिस को सूचना दी। पुलिस की प्राथमिक जांच में पता चला है कि घटना से एक रात पहले पंकज के दो परिचित वहां आए थे और किसी बात को लेकर उनके बीच झगड़ा व मारपीट हुई थी। उस वक्त भी पुलिस मौके पर पहुंची थी। तब पंकज ने खुद को ठीक बताते हुए मेडिकल कराने या लिखित शिकायत देने से मना कर दिया था।

सर्द मौसम में भी धधक रहे बद्रीनाथ वन प्रभाग के जंगल

चमोली : बद्रीनाथ वन प्रभाग के मध्य पिंडर रेंज के जंगलों में पिछले तीन दिनों से लगातार आग लगी हुई है, जिस पर वन विभाग अभी तक पूरी तरह काबू नहीं पा सका है। समय से पहले जंगलों में आग लगने का प्रमुख कारण क्षेत्र में बारिश का न होना बताया जा रहा है। थराली के सूना गांव के निकट वन विभाग के जंगल पिछले तीन दिनों से धधक रहे हैं, जिससे लाखों रुपये की बहुमूल्य वन संपदा जलकर राख हो गई है। जंगलों में लगी आग से न केवल पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंच रहा है, बल्कि वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास भी प्रभावित हो रहे हैं। बद्रीनाथ वन प्रभाग के रेंज अधिकारी मनोज देवराड़ी ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए

बाइक सवार की खाई में गिरने से मौत

रुद्रप्रयाग : गुप्तकाशी-कालीमठ मोटरमार्ग मार्ग पर मंगलवार को एक दर्दनाक हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान मनोज रावत उम्र 32 वर्ष निवासी कविल्ठा रुद्रप्रयाग के रूप में हुई है। मरने वाला बिजली फिटिंग का का काम करता था। जानकारी के अनुसार पुलिस कंट्रोल रूम ने आपदा प्रबंधन विभाग को सूचना दी कि गुप्तकाशी-कालीमठ मोटरमार्ग के विद्यापीठ से करीब दो किलोमीटर आगे कालीमठ मंदिर की ओर जा रहे एक बाइक सवार सड़क से करीब 50 मीटर नीचे गहरी खाई में गिर गया है। सूचना मिलते ही डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स की टीम तहसील ऊखीमठ और पुलिस की टीम के साथ मौके पर पहुंची। संयुक्त रूप से रेस्क्यू करते हुए जब तक युवक को खाई से निकालते हुए सड़क तक लाया गया तब तक उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है।

नर्सिंग भर्ती: 12वें दिन भी डटे रहे कर्मी, लिखित आश्वासन पर अड़े

देहरादून। वर्षवार भर्ती की मांग को लेकर नर्सिंग एकता मंच का धरना 12वें दिन भी जारी रहा। सरकार की ओर से अब तक वार्ता की पहल न होने से नर्सिंग कर्मियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। मंच के अध्यक्ष नवल पुंडीर ने दो टूक कहा कि जब तक सरकार मांगों पर लिखित आश्वासन नहीं देती, आंदोलन नहीं थमेगा। उन्होंने कहा कि जायज मांगों की अनदेखी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कोहरे का कहर! यमुना एक्सप्रेसवे पर भिड़ीं 8 बसें और 3 कारें

4 यात्रियों की मौत-25 घायल

मथुरा ,मथुरा में मंगलवार देर रात यमुना एक्सप्रेसवे पर घने कोहरे के कारण बड़ा सड़क हादसा हो गया। आगरा से नोएडा की ओर जा रही कई बसें और कारें आपस में टकरा गईं, जिसके बाद वाहनों में भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 25 यात्री घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है। यह हादसा थाना बलदेव क्षेत्र के गांव खड़ेहरा के पास माइलस्टोन 127 के नजदीक हुआ। सूचना मिलते ही मथुरा पुलिस, दमकल विभाग और एंबुलेंस सेवाएं मौके पर पहुंचीं। आग पर काबू पाने और घायलों को बाहर निकालने के लिए राहत एवं बचाव कार्य तुरंत शुरू किया गया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जबकि बसों में सवार अन्य यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक वाहनों की व्यवस्था की गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घना कोहरा इतना अधिक था कि आगे कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। इसी वजह से करीब 8 बसें और 3 कारें एक के बाद एक टकरा गईं। टक्कर के बाद कई यात्री वाहनों में ही फंस गए, जबकि कुछ लोग बस से कूदकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। अंदर फंसे यात्रियों की आग में झुलसकर मौत हो गई। मुख्यमंत्री ने घटना का संज्ञान लेते हुए घायलों के बेहतर इलाज के निर्देश दिए हैं और मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। इस बीच मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि 17 दिसंबर को उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में घना कोहरा बना रह सकता है। पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश में भी अगले कुछ दिनों तक कोहरे और ठंड का असर जारी रहने की संभावना है।

चिन्यलीसौड़ हवाई पट्टी पर एएन-32 ने 6 बार भरी उड़ान

उत्तरकाशी। चिन्यालीसौड़ हवाई अड्डे पर वायु सेना का अभ्यास दूसरे दिन भी जारी रहा। इस मौके पर बहुद्देशीय परिवहन विमान एएन-32 ने अभ्यास जारी रखा। इस दौरान विमान ने छह बार हवाई अड्डे पर लैंडिंग और टेकऑफ का अभ्यास किया। बता दें गत दिवस शुरू हुए पांच दिवसीय अभ्यास के तहत मंगलवार को वायुसेना के आगरा एयरबेस से एनएन-32 विमान उड़ान भरकर दोपहर बाद 1.05 बजे पहुंचा। जिसने 1.19 व 1.35 पर लैंडिंग और टेकऑफ का अभ्यास किया इसके बाद डोर्नियर ने 1.37 , 1.47 व 1.52 पर लैंडिंग हुआ टेक ऑफ का अभ्यास किया। डोर्नियर एक बहुउद्देशीय विमान है। इसका इस्तेमाल समुद्री निगरानी, खोज और बचाव, परिवहन और अन्य कार्यों के लिए किया जाता है। यह अभ्यास 2 बजे तक जारी रहा। सातवें राउंड में वायुसेना का यह विमान आगरा एयरबेस लौट गया। सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण चिन्यालीसौड़ हवाई अड्डे पर वायुसेना समय-समय पर अभ्यास करती रहती है, जिसमें पायलटों को लैंडिंग और टेक ऑफ का अभ्यास कराया जाता है। अब तक वायुसेना यहां एएन-32 सहित डोर्नियर, हरक्यूलिस, एडवांस लाइट हेलिकॉप्टर, चिनूक हेलिकॉप्टर, एमआई 17 और अपाचे आदि को उतार चुकी है।

सैनिक कल्याण निदेशालय सहित पांच जिला सैनिक कल्याण कार्यालय को मिलेगें सरकारी वाहन

मुख्यमंत्री ने विजय दिवस पर शहीद स्मारक में पुष्पचक्र अर्पित कर वीर बलिदानियों को दी श्रद्धांजलि

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को विजय दिवस के अवसर पर गांधी पार्क, देहरादून में आयोजित श्रद्धांजलि एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए शहीद स्मारक पर पुष्पचक्रअर्पित कर वीर बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने 1971 के युद्ध के सैनिकों और शहीदों के परिजनों को सम्मानित भी किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि सैनिक कल्याण निदेशालय और जिला सैनिक कल्याण कार्यालय (डीडीहाट, हरबर्टपुर, पिथौरागढ़ एवं हरिद्वार) इन सभी पांच कार्यालयों में सरकारी वाहन दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने विजय दिवस की शुभकामनाएं देते हुए सभी वीर बलिदानियों को समस्त प्रदेशवासियों की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे वीर जवानों ने अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान से 1971 के युद्ध में राष्ट्र की अखंडता और स्वाभिमान की रक्षा की। आज भारतीय सेना के शौर्य, त्याग और अटूट राष्ट्रनिष्ठा की गौरव गाथा को स्मरण करने का दिन है, जो हमारे इतिहास के पन्नों पर स्वर्णाक्षरों में अंकित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1971 में पाकिस्तान के लगभग 93 हजार सैनिकों ने हमारी सेना के समक्ष आत्मसमर्पण किया। कहा कि इस युद्ध में वीर भूमि उत्तराखंड के 248 बहादुर सपूतों ने भी अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। प्रदेश के 74 सैनिकों को अपने अदम्य साहस और शौर्य के लिए विभिन्न वीरता पदकों से सम्मानित भी किया गया था। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के लगभग प्रत्येक परिवार का कोई न कोई सदस्य सेना में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जवानों का मनोबल बढ़ाने के साथ ही सेना को अत्याधुनिक तकनीक और हथियारों से सुसज्जित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत रक्षा सामग्री का निर्यात करने वाले शीर्ष देशों की सूची में शामिल हो गया है। ऑपरेशन सिंधु के माध्यम से भारत ने यह सिद्ध कर दिया कि हमारे सैनिकों के साथ-साथ हमारे स्वदेशी हथियार भी किसी से कम नहीं हैं। इस अभियान में भारत में निर्मित आकाश मिसाइल, डिफेंस सिस्टम और ब्रह्मोस मिसाइल जैसे स्वदेशी हथियारों ने पूरे विश्व में भारत का डंका बजा दिया। आज दुश्मन की एक-एक गोली का जवाब गोलों से दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह नया भारत है, जो दुश्मनों की हर नापाक हरकत का करारा जवाब देता है और उन्हें उनके ठिकानों में ही नेस्तनाबूद कर देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने शहीदों के आश्रितों को मिलने वाली अनुग्रह राशि को 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये किया है।

जम्मू-कश्मीर मुठभेड़ : उधमपुर में गोलीबारी में एक पुलिसकर्मी शहीद, आतंकवादी घायल

जम्मू ,जम्मू और कश्मीर के उधमपुर जिले में चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियान में एक जम्मू-कश्मीर पुलिसकर्मी की मौत हो गई और एक आतंकवादी के घायल होने की खबर है। अधिकारियों ने बताया कि जिले की मजालता तहसील के सोहन गांव में हुई गोलीबारी में स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) के एक स्थानीय पुलिसकर्मी की मौत हो गई। माना जा रहा है कि एक आतंकवादी घायल हुआ है। कॉन्स्टेबल की पहचान अमजद पठान, पुत्र बशरत खान, निवासी सलवा, मेंढर, जिला पुंछ के रूप में हुई है। दो अन्य एसओजी के जवान भी घायल हुए हैं। सुबह गोलीबारी बंद हो गई, लेकिन इलाके में कड़ी सुरक्षा घेराबंदी कर दी गई है और आतंकवादियों के भागने के सभी रास्ते बंद कर दिए गए हैं। मुठभेड़ गांव में तब शुरू हुई जब संयुक्त बलों ने पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद संगठन से जुड़े माने जाने वाले तीन आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद तलाशी अभियान शुरू किया। सेना के नगरोटा मुख्यालय वाले व्हाइट नाइट कोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स पर कहा, खुफिया जानकारी पर आधारित ऑपरेशन में, जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) और सेना ने उधमपुर के सोहन इलाके में आतंकवादियों के साथ गोलीबारी हुई और ऑपरेशन जारी है। पुलिस ने बताया कि दूरदराज के गांव में आतंकवादियों के बारे में सटीक जानकारी मिलने के बाद उनसे संपर्क स्थापित किया गया। आईजीपी जम्मू, भीम सेन टूटी ने कहा, एसओजी की एक बहुत छोटी टीम ने आतंकवादियों से मुकाबला किया। अंधेरे और मुश्किल इलाके के कारण जंगल में तलाशी में बाधा आ रही है। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ सोमवार शाम करीब 6 बजे घेराबंदी वाले गांव में हुई और कुछ समय तक चली, जिसमें एक एसओजी जवान घायल हो गया, जिसकी बाद में मौत हो गई। उन्होंने बताया कि शुरुआती गोलीबारी में एक आतंकवादी भी घायल हुआ माना जा रहा है, और ऑपरेशन रात के लिए रोक दिया गया था और सुबह तुरंत फिर से शुरू किया गया। घेराबंदी को मजबूत करने और छिपे हुए आतंकवादियों को खत्म करने के लिए इलाके में अतिरिक्त बल भेजा गया है।

डंकी रूट मानव तस्करी मामला: तीन एजेंटों की 5.41 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त

नई दिल्ली , प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जालंधर जोन ने कुख्यात डंकी मार्ग से अमेरिका जाने वाले एक बड़े अवैध आव्रजन और मानव तस्करी रैकेट के संबंध में तीन एजेंटों की लगभग 5.41 करोड़ रुपए की चल और अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है। एजेंसी के एक उच्च पदस्थ अधिकारी ने यह जानकारी दी। जब्त की गई संपत्तियों में कृषि भूमि, आवासीय और व्यावसायिक परिसर और आरोपी एजेंटों और उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर बैंक खाते शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाई शुभम शर्मा, जगजीत सिंह और सुरमुख सिंह नामक एजेंटों द्वारा अपराध से अर्जित आय से प्राप्त या उसके समकक्ष संपत्तियों के खिलाफ की गई है, जो लोगों को कानूनी प्रवास के झूठे वादे करके गुमराह करते हुए अवैध रूप से अमेरिका भेज रहे थे। तीनों हरियाणा के रहने वाले हैं और लंबे समय से डंकी रूट नेटवर्क में अलग-अलग भूमिकाएं निभा रहे थे। अधिकारी ने आगे बताया कि वे युवाओं को निशाना बनाकर उन्हें बहला-फुसलाकर अपने नेटवर्क में मौजूद अन्य एजेंटों के पास भेज देते थे।फरवरी 2025 में अमेरिकी सरकार द्वारा कथित तौर पर अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करने वाले 330 भारतीय नागरिकों को निर्वासित किए जाने के बाद, पंजाब और हरियाणा पुलिस द्वारा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 (पूर्ववर्ती आईपीसी, 1860) और आव्रजन अधिनियम, 1983 की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज की गई कई एफआईआर के आधार पर ईडी ने अवैध आव्रजन और मानव तस्करी रैकेट की जांच शुरू की।

बठिंडा कोर्ट में पेश नहीं हुईं कंगना रनौत, अगली सुनवाई 5 जनवरी 2026 को तय

नई दिल्ली , मानहानि से जुड़े एक मामले में बॉलीवुड अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत को बठिंडा अदालत में पेश होना था, लेकिन लोकसभा सेशन चलने के कारण वह उपस्थित नहीं हुईं। उनकी जगह उनके वकील अदालत में पहुंचे। कोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख 5 जनवरी 2026 निर्धारित की है।

इस मानहानि मामले में कंगना पर आरोप है कि उन्होंने किसानों के आंदोलन के दौरान सोशल मीडिया पर बुजुर्ग महिला महिंदर कौर के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

बठिंडा अदालत में पेशी के दौरान कंगना रनौत के वकील ने हाजिरी पर छूट की अर्जी दाखिल की। इस अर्जी के संबंध में अदालत ने कोई फैसला नहीं सुनाया और 5 जनवरी 2026 की तारीख तय कर दी। इस तारीख से पहले बुजुर्ग महिला महिंदर कौर की ओर से गवाह अदालत में पेश किए जाएंगे। इस तारीख पर अदालत में हाजिरी से छूट पर बहस भी होगी। मामला 2020-21 के किसान आंदोलन से जुड़ा है। उस समय दिल्ली में केंद्र सरकार के खिलाफ कृषि कानूनों के विरोध में लंबा धरना प्रदर्शन चल रहा था। इसी दौरान बठिंडा जिले के बहादुरगढ़ जंडिया गांव की बुजुर्ग महिला महिंदर कौर ने एक याचिका दाखिल की थी।

उनका आरोप था कि कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ एक पोस्ट डाली थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि ऐसी महिलाएं धरनों पर पैसे लेकर आती हैं। इस टिप्पणी को लेकर महिंदर कौर ने कंगना रनौत पर मानहानि का केस दर्ज कराया।

इस मामले में पहले भी कंगना रनौत बठिंडा कोर्ट में पेश हो चुकी हैं। 27 अक्टूबर को हुई पिछली पेशी में कंगना ने महिंदर कौर से माफी मांगी थी। उन्होंने कहा था कि उन्होंने ऐसा कुछ भी नहीं कहा कि जो किसी महिला का अपमान करे और वे महिलाओं के सम्मान के पक्ष में हैं। हालांकि महिंदर कौर ने स्पष्ट किया कि वे माफी स्वीकार नहीं करेंगी और केस आखिर तक लड़ेंगी।

मजबूत होती साझेदारी : भारत-यूएई संयुक्त आयोग में एस. जयशंकर ने की द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा

अबू धाबी ,विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अबू धाबी में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान के साथ 16वीं संयुक्त आयोग बैठक और पांचवीं रणनीतिक वार्ता की सह-अध्यक्षता की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और यूएई के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी से जुड़े सभी पहलुओं की समीक्षा की और आने वाले समय की प्रमुख प्राथमिकताओं पर चर्चा की। मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्सझ् पर विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि आज के समय में भारत और यूएई के बीच गहरा सहयोग साझा हितों को आगे बढ़ाता है और क्षेत्रीय व वैश्विक स्थिरता में योगदान देता है। बैठक में विदेश मंत्री ने बताया कि व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते और द्विपक्षीय निवेश संधि के बाद भारत-यूएई के बीच व्यापार, निवेश, वित्तीय तकनीक और डिजिटल कनेक्टिविटी में हुई महत्वपूर्ण वृद्धि पर प्रकाश डाला। उन्होंने कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में भी बड़ी संभावनाओं की ओर ध्यान दिलाया, जिसमें भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा जैसी पहलें शामिल हैं। उन्होंने ऊर्जा सहयोग के विस्तार पर भी जोर दिया, खासतौर पर नागरिक परमाणु ऊर्जा सहयोग, शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को मजबूत करने तथा रक्षा और सुरक्षा सहयोग को और सुदृढ़ करने की बात कही। इसके अलावा, उन्होंने लोगों के बीच आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और सांस्कृतिक रिश्तों को मजबूत करने, महत्वपूर्ण खनिज, अंतरिक्ष और ध्रुवीय अनुसंधान जैसे नए क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आपसी समन्वय को अहम बताया। विदेश मंत्री जयशंकर ने अबू धाबी में यूएई के उपराष्ट्रपति शेख मंसूर बिन जायद बिन सुल्तान अल नाहयान से भी मुलाकात की थी। इस दौरान दोनों देशों के बीच आर्थिक और रक्षा सहयोग को और आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई। जयशंकर ने 'एक्स् पर लिखा कि उपराष्ट्रपति से मुलाकात सम्मान की बात है और भारत-यूएई के बीच आर्थिक और रक्षा सहयोग को गहरा करने पर उपयोगी बातचीत हुई इसके अलावा, विदेश मंत्री ने यूएई की मुबाडाला निवेश कंपनी के प्रबंध निदेशक और समूह मुख्य कार्यकारी अधिकारी खलदून खलीफा अल मुबारक से भी मुलाकात की। इस बैठक में वैश्विक भू-आर्थिक परिदृश्य और भारत-यूएई संबंधों को और मजबूत करने के अवसरों पर विचार किया गया। जयशंकर ने बताया कि इस चर्चा में आर्थिक सहयोग की नई संभावनाओं पर भी बात हुई और दोनों देशों के रिश्तों को आगे बढ़ाने की जरूरत पर सहमति बनी।

युवक ने गुजरात में आत्महत्या की

बागेश्वर। कपकोट थाना क्षेत्र के अंतर्गत बड़ेत गांव के एक युवक ने गुजरात में खुदकशी कर ली। गुजरात पुलिस ने इस बात की जानकारी कपकोट थाना पुलिस को दी। पुलिस ने परिजनों को घटना के बारे में बताया। इसके बाद परिजन गुजरात रवाना हो गए। छह महीने पहले ही वह नौकरी के लिए गुजरात गया था। एकलौते चिराग के बुझने से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। कपकोट थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार की रात 19 वर्षीय दिनेश सिंह पुत्र आनंद सिंह निवासी ग्राम बडेत हरसिंघाबगड़ ने गुजरात में खुदकशी कर ली। वह छह महीने पहले ही राज्य के थाना विठलापुर जिला अहमदाबाद में प्राइवेट नौकरी करता था। घटना की जानकारी गुजरात पुलिस ने कपकोट थाना पुलिस को दी। थानाध्यक्ष प्रताप सिंह नगरकोटी ने बताया कि उन्हें गुजरात पुलिस ने दिनेश सिंह के आत्महत्या करने की बात बताई। उनके परिजनों को इस बात की जानकारी दे दी है। ग्रामीणों के अनुसार परिजन मंगलवार को गुजरात रवाना हो गए हैं। मृतक अपने घर का एकलौता चिराग है। दो बहनों में एक की शादी हो गई है, जबकि एक की होनी है। इंटर की परीक्षा पास करने के बाद दिनेश हल्द्वानी गया। एक साल वहां बार में नौकरी की। इसी दौरान उसकी किसी व्यक्ति से जान-पहचान बढ़ी। उसी के साथ वह छह महीने पहले गुजरात गया।

उत्तराखंड में फिर बदलेगा मौसम, इन जिलों में पहाड़ों पर पड़ेगी बर्फ

देहरादून। पूरे उत्तर भारत में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार के विभिन्न हिस्सों में घने कोहरे के साथ सर्द हवाओं का सितम देखा जा रहा है। वहीं हिमाचल, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के अलग-अलग हिस्सों में शीतलहर का प्रकोप देखा जा रहा है। इस बीच मौसम विभाग ने 17 दिसंबर की रात से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना जताई है। इसके प्रभाव से उत्तराखंड में भी मौसम बदल जाएगा। क्टऊकी मानें तो इस पश्चिमी विक्षोभ का उत्तराखंड पर असर 21 दिसंबर को देखा जाएगा। मौसम विभाग ने 21 दिसंबर को उत्तराखंड के उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग और पिथौरागढ़ जिलों में कुछ जगहों पर बहुत हल्की बारिश या बर्फबारी होने की संभावना है। मौसम विभाग ने उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग और पिथौरागढ़ जिलों के 3500 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई वाली जगहों पर बर्फबारी की संभावना जताई है। उत्तराखंड के बाकी जिलों में मौसम सूखा रहेगा। हिमाचल प्रदेश की बात करें तो अगले दो दिनों तक बिलासपुर और मंडी जिलों समेत कुछ अन्य इलाकों में सुबह के समय घने कोहरे की चेतावनी जारी की है। हिमाचल प्रदेश में 19 दिसंबर तक मौसम शुष्क बने रहने का अनुमान है। इसके बाद पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव दिखेगा। 20 और 21 दिसंबर को पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से ऊंची चोटियों और जनजातीय क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बर्फबारी देखी जा सकती है।

मॉर्निंग वॉक पर मौत की दस्तक, राजपुर रोड पर महिला को कुचल कार सवार फरार

देहरादून। दून की सड़कें सुबह मॉर्निंग वाक करने वालों के लिए भी सुरक्षित नहीं बची हैं। रविवार की सुबह राजपुर रोड के वीआईपी इलाके में सैर पर निकलीं महिला को कार चालक ने बेरहमी से कुचल दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि महिला हवा में उछलकर सड़क पर जा गिरीं। मानवता को शर्मसार करते हुए चालक ने गाड़ी रोकने या घायल को अस्पताल पहुंचाने के बजाय एक्सीलेटर दबाया और मौके से फरार हो गया। महिला के पति की शिकायत पर सोमवार को पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर राजपुर प्रदीप सिंह रावत ने बताया कि दून विहार जाखन निवासी पवन कुमार गुप्ता की पत्नी मीना गुप्ता (50) बीते रविवार सुबह पड़ोस की महिलाओं संग वाक पर निकली थीं। सुबह 6:30 बजे अमा कैफे और साईं मंदिर के बीच पीछे से आई एक तेज रफ्तार काली कार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। घटना के वक्त मीना गुप्ता की सहेलियां उनसे कुछ कदम की दूरी पर थीं। ऐसे में वह बच गईं। उनकी आंखों के सामने यह हादसा हुआ। बदहवास उनकी साथी महिलाओं ने राहगीरों की मदद से एक टैम्पो रुकवाया और मीना को उनके आवास दून विहार पहुंचाया। वहां से पति पवन कुमार गुप्ता उन्हें लेकर तत्काल मैक्स अस्पताल भागे। डॉक्टरों ने पूरी कोशिश की। सिर और शरीर में गंभीर चोटों के चलते उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। सीसीटीवी में कैद काले रंग की कार घटना के बाद पति पवन कुमार गुप्ता ने राजपुर थाने में तहरीर दी। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ बीएनएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस को काली रंग की कार का सुराग मिला है। जिसकी नंबर प्लेट की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। ताकि, चालक तक पहुंचा जा सके।

जालंधर के स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी

जालंधर ,पंजाब के जालंधर में स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है, जिसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर पूरी जांच पड़ताल की। फिलहाल, जांच के दौरान स्कूल में किसी भी प्रकार के संदिग्ध वस्तु के होने की पुख्ता जानकारी नहीं मिली है। इस बारे में जालंधर के जिलाधिकारी हिमांशु अग्रवाल ने पत्रकारों से बातचीत में पूरी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमें जैसे ही पता चला कि स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है, तो पुलिस टीम ने अविलंब स्कूल प्रबंधक से संपर्क स्थापित किया। इसके बाद मौके पर पहुंचकर पूरी जांच पड़ताल की गई, लेकिन राहत की बात यह रही कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। पेरेंट्स को बिल्कुल भी घबराने की जरूरत नहीं है।

भारत-जॉर्डन संबंधों को नई मजबूती, पीएम मोदी ने कहा-दोनों देशों की साझेदारी में हुआ अहम विस्तार

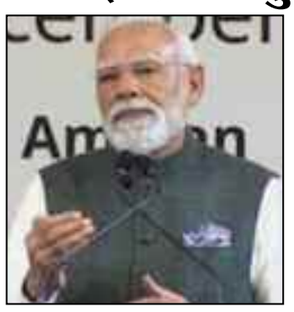

नई दिल्ली , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जॉर्डन यात्रा के दौरान भारत और जॉर्डन के द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा और मजबूती मिली है। इस यात्रा में दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण समझौते और सहमतियां तय की गईं, जो ऊर्जा, जल प्रबंधन, संस्कृति, विरासत संरक्षण और डिजिटल सहयोग जैसे अहम क्षेत्रों में साझेदारी को आगे बढ़ाएंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा, ये नतीजे भारत-जॉर्डन पार्टनरशिप का एक अहम विस्तार दिखाते हैं। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में हमारा सहयोग स्वच्छ विकास, ऊर्जा सुरक्षा और जलवायु के प्रति जिम्मेदारी के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता को दिखाता है। पीएम मोदी ने आगे लिखा, जल संसाधन प्रबंधन और विकास में सहयोग से हमें संरक्षण, दक्षता और टेक्नोलॉजी में बेहतरीन तरीकों को साझा करने में मदद मिलेगी, जिससे लंबे समय तक पानी की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। पेट्रा और एलोरा के बीच ट्विनिंग एग्रीमेंट विरासत संरक्षण, पर्यटन और एकेडमिक आदान-प्रदान के नए रास्ते खोलता है। उन्होंने कहा, सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम का नवीनीकरण (2025-2029) दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी जुड़ाव को और गहरा करेगा। हमारे डिजिटल इनोवेशन को साझा करने से जॉर्डन के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को सपोर्ट मिलेगा और समावेशी शासन को बढ़ावा मिलेगा। इससे पहले विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रधानमंत्री की जॉर्डन यात्रा के दौरान तय हुए सभी परिणामों की जानकारी साझा करते हुए बताया था कि कुल पांच प्रमुख समझौते और सहमतियां अंतिम रूप दी गई हैं। इनमें नई और नवीकरणीय ऊर्जा में तकनीकी सहयोग, जल संसाधन प्रबंधन, पेट्राइएलोरा ट्विनिंग एग्रीमेंट, सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम का नवीनीकरण और डिजिटल सहयोग पर आशय पत्र शामिल है।

सम्पादकीय

उडंडता का माहौल

सामाजिक एवं कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए जरूरी है कि पुलिस और नागरिकों के बीच समन्वय बना रहे। सामाजिक व्यवस्थाओं के तहत नागरिकों द्वारा कानून की अवहेलना करने पर दंड का प्रावधान है लेकिन जब पुलिस तंत्र आपराधिक गतिविधियों की अनदेखी करने लगता है तो असामाजिक तत्वों के हौसले बुलंद होते चले जाते हैं। उत्तराखंड की राजधानी की सड़कों पर क्या कुछ चल रहा है यह तमाम सोशल मीडिया पोस्ट दर्शा ही रही हैं। कानून व्यवस्था की तो फिक्र ही नहीं है। आए दिन यहां तमंचे और पिस्तौल लहराना, सड़कों पर हुड़दंग आम बात होने लगी है, यही नहीं दबंगता इस तरह परवान चढ़ी हुई है कि बाकायदा फायर करने की वीडियो सोशल मीडिया पर डालकर पुलिस को चुनौती दी जा रही है। हालात ऐसे बन चुके हैं की समाज विरुद्ध हरकतें करने वालों को पुलिस का तो डर रह ही नहीं गया है। न केवल कानून तोड़े जा रहे हैं बल्कि समाज में अपना रौब गालिब करने के लिए आपराधिक गतिविधियों की वीडियो भी पोस्ट की जा रही है। उत्तराखंड के कई बड़े नगरों में ऐसे ही हालातो से व्यवस्था जूझ रही है, और इनमें जनपद देहरादून सूची में सबसे अधिक प्रकरण सामने आ रहे है।

पिछले कुछ समय में सड़कों पर मारपीट, हुड़दंग और उपद्रव मचाने के साथ–साथ तमंचे और रिवाल्वर लहराने की घटनाओं में गैर उत्तराखंडीयों की संलिप्तता बहुतायत में पाई गई है। उत्तराखंड की राजधानी बनने के बाद दून नगर का विकास तो चाहे जिस स्थिति में हो लेकिन बाहरी राज्यों से आए लोगों की यहां अपराधिक गतिविधियों में जमकर तूती बोल रही है। इनमें बड़ी संख्या ऐसे छात्रों की है जो विभिन्न संस्थानों में कहने को तो अध्ययन के लिए आए हैं लेकिन उनकी हरकतें नगरीय व्यवस्था पर ग्रहण बनकर सामने आ रही हैं। विडंबना ही है कि ऐसे लोगों को जनपद पुलिस का कोई भय ही नहीं है, जिसके लिए कहीं ना कहीं खुद पुलिस तंत्र ही जिम्मेदार है। उपद्रवियों को छात्र समझ कर उनकी हरकतों को नजरअंदाज करना अब पुलिस पर ही भारी पड़ने लगा है। जनपद पुलिस को ऐसे लोगों के खिलाफ अब तो नरम रवैया को किनारे रख सख्त अपनाना ही होगा। महज थाने चौकिया से माफी के वीडियो डलवाकर ऐसे उद्दंड लोग सुधर जाएंगे ऐसा सोचना बेवकूफी ही होगी। पुलिस भी शायद तभी जागती है जब वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से पुलिस व्यवस्थाए सुधार पाएगी यह संभव नहीं है। बिना दंड के सुधार संभव नहीं है और जनपद पुलिस को भी यह मूल मंत्र अच्छी तरह से समझ लेना चाहिए। छात्रों के उद्दंड को लेकर पुलिस द्वारा बरती जाने वाली छोटी–छोटी अनदेखियां ही अब बड़ी घटनाओं के रूप में सामने आने लगी हैं, लिहाजा अभी भी यदि कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस जागने को तैयार नहीं है तो फिर लोग भी कहां सुधरने वाले। कानून व्यवस्था के नाम पर बस "अपनी धपली अपना राग" ही चल रहा है।

यह समय नवाचार और उद्यमियों की तरह सोचने का है

पंचायती राज मंत्रालय (एमओपीआर) के नवीनतम आंकड़ें और राष्ट्रीय सार्वजनिक वित्त और नीति संस्थान (एनआईपीएफपी) के 2025 के अध्ययन के अनुसार, स्व–संसाधन राजस्व (ओएसआर) पंचायत वित्त में केवल 6–7 प्रतिशत का ही योगदान देता है। शेष 93–94 प्रतिशत अब भी अनुदानों से आते हैं। यह निर्भरता पंचायतों के स्थानीय पहलों को कमजोर कर रही है। वे आत्मनिर्भर स्थानीय शासनके बजाय सरकार की योजनाओं को लागू करने वाली एजेंसी बन गए हैं। इसे बदलने का समय आ गया है, केवल टैक्स नियमों की समीक्षा ही नहीं की जानी चाहिए, बल्कि पंचायतों को उद्यमशील मानसिकता भी अपनानी चाहिए। यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि वित्तीय नियंत्रण के बिना, ग्राम पंचायतें स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार योजना नहीं बना सकती या प्राथमिकता तय नहीं कर सकती। एनआईपीएफपी की रिपोर्ट बताती है कि जहाँ संपत्ति कर, उपयोगकर्ता शुल्क, या सामुदायिक संपत्ति के माध्यम से आर्थिक संभावनाएँ मौजूद हैं, वहां भी – नवाचार, डिजिटल प्रणाली और राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी कार्य–प्रदर्शन को सीमित करती है। केरल, कर्नाटक और गोवा जैसे राज्यों का प्रति व्यक्ति ओएसआर अधिक है (क्रमशः 286, 148, और 1,635)। इनमें डिजिटल तरीके से टैक्स संग्रह और सामुदायिक भागीदारी भी है। दूसरी ओर, झारखंड, बिहार और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों का ओएसआर संग्रह लगभग नगण्य है। जैसा कि जोसेफ शुम्पेटर ने कहा है, उद्यमिता रचनात्मक परिवर्तन के बारे में है।

सुशील कुमार लोहानी, रंजन घोष

1992 के 73वें संविधान संशोधन अधिनियम के साथ, ग्राम पंचायतों (जीपी) को जमीनी स्तर पर स्व–शासन के एक नए युग का सूत्रपात करने के लिए सशक्त बनाया गया। आशा थी कि वे वित्तीय रूप से सशक्त, राजनीतिक रूप से जिम्मेदार और नवोन्मेषी होंगे। हालांकि, तब से काफी प्रगति हुई है, लेकिन यह विज़न अब भी केवल आधा ही पूरा हुआ है। अनुच्छेद 243एच के तहत अपना राजस्व जुटाने का संवैधानिक अधिकार होने के बावजूद, अधिकांश ग्राम पंचायतें अब भी वित्तीय दृष्टि से राज्य और केंद्र सरकारों के हस्तांतरणों पर निर्भर हैं। पंचायती राज मंत्रालय (एमओपीआर) के नवीनतम आंकड़ों और राष्ट्रीय सार्वजनिक वित्त और नीति संस्थान (एनआईपीएफपी) के 2025 के अध्ययन के अनुसार, स्व–संसाधन राजस्व (ओएसआर) पंचायत वित्त में केवल 6–7 प्रतिशत का ही योगदान देता है। शेष 93–94 प्रतिशत अब भी अनुदानों से आते हैं। यह निर्भरता पंचायतों के स्थानीय पहलों को कमजोर कर रही है। वे आत्मनिर्भर स्थानीय शासनके बजाय सरकार की योजनाओं को लागू करने वाली एजेंसी बन गए हैं। इसे बदलने का समय आ गया है, केवल टैक्स नियमों की समीक्षा ही नहीं की जानी चाहिए, बल्कि पंचायतों को उद्यमशील मानसिकता भी अपनानी चाहिए।यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि वित्तीय नियंत्रण के बिना, ग्राम पंचायतें स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार योजना नहीं बना सकतीं या प्राथमिकता तय नहीं कर सकतीं। एनआईपीएफपी की रिपोर्ट बताती है कि जहाँ संपत्ति कर, उपयोगकर्ता शुल्क, या सामुदायिक संपत्ति के माध्यम से आर्थिक संभावनाएँ मौजूद हैं, वहां भी – नवाचार, डिजिटल प्रणाली और राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी कार्य–प्रदर्शन को सीमित करती है। केरल, कर्नाटक और गोवा जैसे राज्यों का प्रति व्यक्ति ओएसआर अधिक है (क्रमशः 286, 148, और 1,635)। इनमें डिजिटल तरीके से टैक्स संग्रह और सामुदायिक भागीदारी भी है। दूसरी ओर, झारखंड, बिहार और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों का ओएसआर संग्रह लगभग नगण्य है। जैसा कि जोसेफ शुम्पेटर ने कहा है, उद्यमिता रचनात्मक परिवर्तन के बारे में है। पंचायतों के लिए, इसका मतलब है – निष्क्रिय संग्रह से सक्रिय सृजन की ओर बढ़ना। उन्हें स्वयं का फिर से आकलन करने, स्थानीय संपत्तियों से आय कमाने, सेवाओं को कुशलतापूर्वक प्रदान करने और आय को विकास में पुनः निवेश करने के तरीकों को खोजने की आवश्यकता है।

आईआईएम, अहमदाबाद (आईआईएम– ए) ने ओएसआर के संदर्भ में उद्यमिता की सर्वोत्तम प्रथाओं का दस्तावेज तैयार किया, इस दौरान कई सकारात्मक तथ्य सामने आए। उदाहरण के लिए, गुजरात के धरमज में, ग्राम पंचायत का वार्षिक बजट 5 करोड़ है, जिसकी आधी धनराशि स्थानीय रूप से प्राप्त आय से आती है। परती जमीन को बहुउद्देशीय पार्क में पुनर्विकसित करके, संपत्ति और जल टैक्स को डिजिटल रूप से एकत्र करके और अपने एनआरआई प्रवासियों के योगदान का लाभ उठाकर, इस गांव ने 2.5 करोड़ से अधिक का आरक्षित कोष तैयार कर लिया है। उत्तराखंड के सिरासु में, ग्राम पंचायत अपने दर्शनीय स्थलों में विवाह–पूर्व फोटो शूट के लिए नाममात्र शुल्क लेकर सालाना 15–20 लाख कमाती है। उन्होंने इसका उपयोग सौर प्रकाश और सड़कों के वित्तपोषण के लिए किया है। ओडिशा के मुकुंदपुरपटन में, ग्राम पंचायत की आय 2006 में 93,000 से बढ़कर 2018 में 36.78 लाख हो गई, जो मंदिर किराए, बाजार पट्टे और जिओ–टैग की गयी संपत्तियों के माध्यम से प्राप्त हुई। इन (और कई अन्य) ग्राम पंचायनों ने राज्य निधियों का इंतजार नहीं किया, बल्कि वे वित्तीय रूप से व्यावहारिक संस्थाओं में बदल गयीं।

फिर भी, इन उदाहरणों की संख्या बहुत कम है, जो आवश्यक बड़े बदलाव लाने के लिए पर्याप्त हो। अधिकतर पंचायतें कहाँ पीछे रह जाती हैं प्रमुख रूप से इसे राजनीतिक हिचक से जोड़ा जा सकता है, जो मतदाता के विरोध के डर से टैक्स लगाने से पीछे हट जाते हैं। कई ग्राम पंचायतें अब भी संपत्ति का मूल्यांकन भौतिक रूप से (मैन्युअल) करते हैं, जिसमें खराब रिकॉर्ड और लागू करने की कमजोरप्रक्रिया के कारण मूल्यांकन बहुत कम होता है। उपयोगकर्ता शुल्क शायद ही कभी संशोधित किए जाते हैं। कुछ राज्यों में, शुल्क की अधिकतम सीमा में दशकों से बदलाव नहीं हुआ है। इसके परिणामस्वरूप एक निम्न आय, गतिहीन टैक्स आधार और निर्भरता की संस्कृति बनी हुई है। जैसा कि एनआईपीएफपी की रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है, वैधानिक वित्तीय सशक्तिकरण का कोई मतलब नहीं है, यदि वास्तविक रूप से संचालन से जुड़ी स्वतंत्रता न हो।

तकनीक धीरे–धीरे स्थिति को बदल रही है। तमिलनाडु का वीपी टैक्स पोर्टल संपत्ति और पेशेवर करों की वास्तविक समय में निगरानी की सुविधा देता है, जबकि झारखंड में पीओएस–सक्षम कर संग्रह ने दक्षता और पारदर्शिता में सुधार किया है। यदि ऐसी प्रणालियों को स्वामित्व के संपत्ति मानचित्रण से जोड़ा जाए, तो पंचायतों के राजस्व आधार का व्यापक रूप से विस्तार हो सकता है। कुछ व्यवहारिक प्रोत्साहन, जैसे समय पर टैक्स देने वालों को सार्वजनिक रूप से मान्यता देना या स्पष्ट परिणाम दिखाना (आपके टैक्स से इस सड़क का निर्माण हुआ) स्वैच्छिक अनुपालन भी बढ़ा सकते हैं। जब लोग टैक्स और ठोस सुधारों के बीच संबंध देखते हैं, तो प्रतिरोध कम होगा – और वित्तीय विश्वास बढ़ेगा। ग्राम पंचायत कार्यकर्ताओं के लिए एक विशेष क्षमता निर्माण पहल को शुरू करने में पंचायती राज मंत्रालय की हाल की पहल, जो आईआईएम अहमदाबाद के सहयोग से की गई है, जमीनी स्तर पर ओएसआर की विशाल संभावनाओं को वास्तविकता में बदलने में महत्वपूर्ण योगदान देगी। राज्यों का समर्थन करने के लिए, मंत्रालय ने एक डिजिटल प्लेटफार्म समर्थ भी विकसित किया है, जो पंचायतों के ओएसआर प्रबंधन के लिए डिजिटलीकरण की शुरू–से–अंत तक की प्रक्रिया को सुगम बनाता है। मंत्रालय राज्यों को ओएसआर नियमों को तैयार करने या संशोधित करने के लिए भी प्रोत्साहित कर रहा है, ताकि पंचायतें अधिक प्रगतिशील और सशक्त बन सकें। चिन्हित पंचायतों की मदद करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं जिनका राजस्व संग्रह उच्च है या जो विकास केंद्रों के पास उप–शहरी क्षेत्रों में स्थित हैं, ताकि उनके लिए व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य परियोजनाएं तैयार की जा सकें। हमें उम्मीद हैकि इन स्थानों में सही उद्यमी ऊर्जाएक सकारात्मक आर्थिक चक्रपैदा कर सकती है, जिसके गुणात्मक प्रभाव होंगे। अब यह स्वीकार करने का समय आ गया है कि टैक्स दरों और क्षमता में सुधार करना महत्वपूर्ण है, लेकिन केवल उद्यमशील सोच ही वास्तविक बदलाव ला सकती है। जैसा कि आईआईएम–ए के अध्ययन से पता चलता है, ऐसी ग्राम पंचायतें, जो चक्रीय आर्थिक मॉडल, जैसे बायोगैस और खाद संयंत्र, सौर ऊर्जा की बिक्री, सामुदायिक बाजार और ईको–पर्यटन आदि का उपयोग कर रही हैं, वे वित्तीय रूप से अधिक स्वतंत्र हैं और आगे बढ़ने की कोशिश कर रही हैं। इस प्रक्रिया को तेज करने के लिए, पंचायती राज मंत्रालय प्रदर्शन से जुड़े अनुदानों को बढ़ावा दे रहा है जो ओएसआर वृद्धि से जुड़ा है। इसके अलावा, चयनित ग्राम पंचायतों में वित्तीय साथीइ (फिस्कल फेलो) की अवधारणा, जो वित्तीय योजना और डिजिटल एकीकरण में मदद कर सकती है, को भी आजमाया जा सकता है। 16वां वित्त आयोग भी – केवल प्रक्रियाओं का पालन करने के बजाय– पंचायतों को प्रोत्साहित कर सकता है, ओएसआरमें वृद्धि करने वालों को पुरस्कृत कर सकता है ।ग्राम स्वराज का लंबे समय से संजोया गया सपना केवल इस बात से साकार नहीं होगा कि ऊपर से कितना धन आता है, बल्कि इस बात से साकार होगा कि ग्राम पंचायतें स्थानीय स्रोतों का कितने प्रभावी ढंग से उपयोग करती हैं। पंचायतों को लेखाकर्मी की तरह नहीं, बल्कि उद्यमियों की तरह सोचना चाहिए, अवसरों की पहचान करनी चाहिए, जोखिमों का प्रबंधन करना चाहिए और लाभ को समुदाय में पुनर्निवेश करना चाहिए। भारत का ग्रामीण परिवर्तन केवल नई योजनाओं से नहीं होगा – यह तब संभव होगा, जब इसके 2.5 लाख से अधिक ग्राम पंचायतें आय अर्जित करना सीखेंगीऔर जब स्थानीय शासन देश का सबसे जीवंत उद्यमी इकोसिस्टम बन जाएगा।

आनंद मठ की आत्मकथा और बंगाली अस्मिता का प्रश्न

घटना बंगाल के मुर्शिदाबाद में पदचिन्ह गांव की है। कल्याणी के बच्चे भूख से बिलखने लगते तो महेंद्र कल्याणी से गांव छोड़कर चले जाने की कहता है। चुकी बंगाल में भयानक अकाल था तो पिंडारी, डकैत हमला कर देते हैं और कल्याणी के बच्चों मार पीट कर हो हल्ला मचा देते हैं।

अजय दीक्षित

बंगाल के तत्कालीन मूर्धन्य साहित्यकार और विद्वान स्व श्री बंकिम चंद्र चटर्जी ने 1882 में अपनी पुस्तक आनंद मठ में बंगाल में 1770और 1774 के मध्य विकराल ब भीषण अकाल और उसमें ब्रिटिश साम्राज्य की भूमिका का चित्रण किया है और उससे अवतरित हुआ है बंदे मातरम् जो बाद में आजादी के दीवानों और क्रांतिकारी लोगों का उदघोष बन गया था। आनंद मठ नामक पुस्तक में महेंद्र और जीवानंद दो पात्र हैं और वे सत्यानंद के संन्यासी शिष्य हैं। महेंद्र कल्याणी नामक महिला का पति है।

घटना बंगाल के मुर्शिदाबाद में पदचिन्ह गांव की है। कल्याणी के बच्चे भूख से बिलखने लगते तो महेंद्र कल्याणी से गांव छोड़कर चले जाने की कहता है। चुकी बंगाल में भयानक अकाल था तो पिंडारी, डकैत हमला कर देते हैं और कल्याणी के बच्चों मार पीट कर हो हल्ला मचा देते हैं। कल्याणी एक नदी के किनारे शरण लेती है। लेकिन पिंडारी मानते नहीं है।तब संन्यासियों की टोली निकल कर जा रही थी उसमें एक सन्यासी का नाम जीवानंद है वह कल्याणी को बचाता है।ये सब आनंद मठ के संन्यासी शिष्य थे। इस महान उपन्यास के रचयिता श्री बंकिम चंद्र चटर्जी ने उस समय के दृश्य का वर्णन किया है। जीवानंद महेंद्र को सुजलाम सफलामा मलयाज शीतलाम सुनता है और कल्याणी की तुलना मातृ भूमि से करता है जो अपने बच्चों को किसी तरह बचाना चाहती है। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने 1882 में यह कृति लिखी थी। तत्कालीन समय में बंगाल से आजादी के मतवालों की आवाज आने लगी थी और ब्रिटिश सरकार ने भारत को ईस्ट इंडिया कंपनी से ले कर प्रत्यक्ष शासन कायम कर लिया था। तत्कालीन वाइस राय वॉरेन हेस्टिंग ने भारत में शिक्षा, अनुसंधान, पुलिस न्यायालय, आईपीसी सीआरपीसी में अपने मुताबिक परिवर्तन कर दिए थे लॉर्ड मैकाले, लॉर्ड कार्नवालिस, अपने अनुसार नियम, कायदे कानून व्यवस्था, राजस्व,बना रहे थे। संपूर्ण भारत में प्रिंसली स्टेट को ब्रिटिश राज्य में मिलाया जा रहा था।यही वह दौर था जब इटवा के कलेक्टर ए यू हुयूम ने विश्व बिरादरी को दिखाने के लिए कांग्रेस की स्थापना की । तत्कालीन समय में कांग्रेस की कमान दादा भाई नौरोजी के हाथ में थी । तत्कालीन समय में महात्मा गांधी साउथ अफ्रीका में थे। बाल गंगा धर तिलक, विपिन चंद्र पाल, विधान चन्द्र राय कांग्रेस को समझते थे। बंदे मातरम् सबसे पहले संगीतबद्ध किया राष्ट्र कवि रविन्द्र नाथ टैगोर ने और 1896 कांग्रेस अधिवेशन में गाया गया। रविन्द्र नाथ टैगोर की प प्रतिशती सुमित्रा देवी ने इसे गया । लेकिन इस गीत को दिशा दी अमर शहीद खुदीराम बोस ने जब उन्हें मुजफ्फरपुर जेल में फांसी दी गई तो उन्होंने कहा बंदे मातरम् ।बाद में यह गीत क्रांतिकारियों का संदेश बन गया।

बंदे मातरम् पर ब्रिटिश ने प्रतिबंध लगा दिया। बंदे मातरम् बोल ने वालों को ब्रिटिश पुलिस पकड़ लेती थी और सारे आम कोड़े लगाए जाते थे। आनंद मठ कोई साधारण उपन्यास नहीं है यह उस समय आजादी का पैगाम था । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिमी बंगाल विधानसभा चुनावों से ठीक पहले इस बंदे मातरम् को मुद्दा बनाया है यह कोई सहज घटना नहीं है।आज भी पश्चिमी बंगाल में बंदे मातरम् के प्रति लोगों का सम्मान है।

पर्यावरण या प्रदूषण की चिंता नहीं

जिस दौर में सरकारों की मेधा पर्यावरण संरक्षण कानूनों को इस तरह तोड़ने–मरोड़ने में लगी हो, जिससे ये प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन में आड़े ना आएं, उनसे किसी प्रकार के हल की उम्मीद रखना बेबुनियाद ही है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र पर छाये स्मॉग से जल्द राहत मिलने की संभावना नजर नहीं आती। इसका खतरनाक प्रभाव यहां के बाशिंदों पर हो रहा है। खुद भारत सरकार ने कहा है कि अस्पतालों में सांस संबंधी मरीजों की संख्या बढ़ रही है, जिनका सीधा संबंध प्रदूषित हवा से है। स्वास्थ्य राज्यमंत्री विक्रमजीत एस. साहनी ने राज्यसभा में बताया कि 2022 से 2024 तक सांस संबंधी दो लाख मरीजों को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। बाल रोग विशेषज्ञों के हवाले से छपी एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि जहरीली हवा के दुष्प्रभाव से त्वचा रोग के मामले बढ़े हैं। खासकर इसका शिकार बच्चे हो रहे हैं। बुजुर्गों के लिए बाहर निकलना कितना जोखिम भरा हो गया है, सोशल मीडिया ऐसी चर्चाओं से भरा–पड़ा है। मगर इतना गंभीर हाल होने के बावजूद हुक्मरान बेफिक्रबने हुए हैं। जब कभी सूरत बेहद बिगड़ जाती है, तो वे पंजाब में पराली जलने की चर्चा कर अपने कर्त्तव्य से मुक्त हो जाते हैं! ये दलील बेतुकेपन की इस हद तक पहुंच चुकी है कि सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने अधिकारियों को ऐसा बहाना ना बनाने की सलाह दी। उचित ही उन्होंने कहा कि प्रदूषित हवा की वजहें ढांचागत रूप ले चुकी हैं। समाधान उनका ढूंढा जाना चाहिए। मगर जिस दौर में सरकारों की मेधा पर्यावरण संरक्षण कानूनों को इस तरह तोड़ने– मरोड़ने में लगी हो, जिससे प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन की गुंजाइश मिल जाए, उनसे ऐसे हल की उम्मीद रखना बेबुनियाद ही है। हाल में अरावली पहाड़ियों में खनन के बारे में जैसे दिशा–निर्देश तैयार किए गए हैं, उनसे साफ है कि सत्ताधारी नेताओं को पर्यावरण या प्रदूषण की तनिक भी चिंता नहीं है। अभी कुछ वर्ष पहले तक इस सीजन में स्मॉग छाने पर ऑड– इवन जैसे परिवहन नियमों पर बात होती थी।

राम किरण और मेघा आकाश स्टारर सहकुटुंबनम 19 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी

एचएनजी सिनेमाज एलएलपी के बैनर तले, सहकुटुंबनम का निर्देशन उदय शर्मा द्वारा किया गया है, जिसमें महादेव गौड़ और नागरत्न इस दिल छू लेने वाले पारिवारिक मनोरंजन का निर्माण कर रहे हैं। फिल्म में राम किरण और मेघा आकाश मुख्य भूमिकाओं में हैं, जिन्हें नटकिरीटी राजेंद्र प्रसाद, हस्या ब्रह्मा ब्रह्मानंदम, शुभलेखा सुधाकर, सत्या, राजश्री नायर, राचा रवि, गिरिधर, तागुबोथु रमेश, भद्रम और अन्य कलाकारों द्वारा समर्थित किया गया है। मणि शर्मा द्वारा संगीतबद्ध, मधु दासारी द्वारा छायांकन और शशांक माली द्वारा संपादन की गई यह फिल्म एक संपूर्ण पारिवारिक अनुभव का वादा करती है। इससे पहले जारी किए गए ट्रेलर को सोशल मीडिया पर जबरदस्त सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी।

मूल रूप से 12 दिसंबर को रिलीज होने वाली इस फिल्म की रिलीज तिथि को बदलकर 19 दिसंबर कर दिया गया है। यह निर्णय बोयापति श्रीनु द्वारा निर्देशित और नंदामुरी बालकृष्ण गारू अभिनीत फिल्म अखंड तांडवम की रिलीज के प्रति सम्मान के कारण लिया गया है, जो उसी तारीख को रिलीज हो रही है। सहकुटुंबनम के निर्माताओं ने स्पष्ट किया कि बालकृष्ण गारू के प्रति उनके अपार सम्मान को देखते हुए, वे यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उनकी फिल्म अखंड 2 की रिलीज में जरा भी बाधा न डाले।

सारा अर्जुन ने दिखाया अपना कातिलाना अंदाज, ग्लैमरस अंदाज से सोशल मीडिया पर लगा दी आग

छोटी ऐश्वर्या यानी सारा अर्जुन ने पहली बार बड़े पर्दे पर हीरोइन बनकर धमाल मचा दिया है. लोग उनकी अदाओं पर लट्टू हो चुके हैं. सारा फिल्म में मेन लीड के तौर पर दिख रही हैं. सारा अर्जुन ने वैसे तो कई विज्ञापन और फिल्मों में चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर काम किया है.लेकिन, एक्ट्रेस बनकर उन्होंने अपनी अदाओं से अच्छे–अच्छों को पछाड़ दिया है. पोन्नियिन सेल्वन 2 में सारा ने ऐश्वर्या राय बच्चन के बचपन वाला किरदार निभाया था. उसी के बाद से उन्हें छोटी ऐश्वर्या का टैग मिल गया. अब तो वो बी–टाउन की बड़ी–बड़ी हसीनाओं पर भारी पड़ रही हैं. इसी बीच उन्होंने ब्लैक गाउन पहनकर खूब कहर बरपाया है. सारा को जब भी फिल्म के प्रमोशनल इवेंट्स में देखा गया तो उन्होंने एक से बढ़कर एक किलर लुक से हर किसी को हैरान कर दिया. सारा के आउटफिट में बोल्डनेस के तड़के के साथ इनोवेटिव स्टाइल की झलक भी देखने को मिल रही है. दरअसल, ब्लैक शिमरी फैब्रिक से बने गाउन को डीप नेकलाइन देकर इसमें टीज एलिमेंट जोड़ा गया. साथ ही उभरा हुआ डिजाइन लुक में आर्टिस्टिक वाइब लेकर आ रहा है. स्कर्ट पोर्शन की डीटेल्स पर गौर करें तो इसे प्लीट्स के साथ फ्लोइ रखते हुए दोनों साइड वेस्ट पर फ्लोरल पैटर्न बनाया और उसे ब्लैक बीड्स से हाइलाइट किया.

दुबई एशियन यूथ पैरा गेम्स 2025 : भारतीय खिलाड़ियों ने जीते 8 स्वर्ण पदक

नई दिल्ली ,दुबई में 7 से 14 दिसंबर तक आयोजित युवा एशियाई पैरा गेम्स में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 17 मेडल जीते। इसमें 8 स्वर्ण, 3 रजत और 6 कांस्य पदक थे। भारत की तरफ से जतिन आजाद ने एसयू5 श्रेणी में 2 स्वर्ण पदक जीते। पहले उन्होंने पुरुष एकल का खिताब जीता और फिर शिवम यादव के साथ पुरुष डबल्स में स्वर्ण पदक जीता। जतिन आजाद ने कहा, मैं सभी चैंपियनशिप में खेलना चाहता हूं, और ज्यादा अनुभव और एक्सपोजर हासिल करना चाहता हूं। मुझे पता है कि मुझे लॉस एंजिल्स 28 पैरालिंपिक के लिए चुना जाएगा।

आजाद ने कहा, हर किसी में शुरू करने की हिम्मत नहीं होती, लेकिन बस खेलो, अपना बेस्ट दो, अच्छी ट्रेनिंग करो, नतीजे मिलेंगे। हर्षित चौधरी ने भी स्वर्ण पदक जीता। हर्षित ने कहा, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है क्योंकि हम हर चीज के लिए तैयार थे। मैं और मेरे साझीदार सकारात्मक रहे। दुबई 2025 सभी भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए पहला एशिया युवा खेल था। इस इवेंट ने खिलाड़ियों को एक बड़ा मंच उपलब्ध कराया है। लॉस एंजिल्स 2028 पैरालिंपिक के पहले पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए यह एक अहम इवेंट था। भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी ऐतिहासिक सफलता का जश्न मनाया। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार अच्छा कर रहे हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स हो या फिर ओलंपिक, भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों को जोरदार टक्कर दे रहे हैं और पदक जीत रहे हैं। ऐसे में पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों का दुबई में शानदार प्रदर्शन भारतीय बैडमिंटन की मजबूती और गहराई को दिखाता है। एशियाई पैरा गेम्स में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों का प्रदर्शन देखने के बाद इस बात की उम्मीद की जा सकती है कि लॉस एंजिल्स 2028 पैरालिंपिक में भी बैडमिंटन में भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा रहेगा।

कांतारा : चैप्टर 1 वाली रुक्मिणी वसंत की नई तैयारी, अब बॉलीवुड में खेलेंगी दमदार पारी

कांताराः चैप्टर 1 से देशभर में मशहूर हुईं अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत अब बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। साउथ की ये स्टार अभिनेत्री अब हिंदी सिनेमा में धमाल मचाने की तैयारी में हैं। उन्होंने खुद अपने एक हालिया इंटरव्यू में ये खुलासा किया है। साउथ की मशहूर अभिनेत्री रश्मिका मंदाना हिंदी फिल्मों में अपने अभिनय का कमाल दिखा चुकी हैं। उनके बाद अगला नंबर श्रीलीला का है और अब इस फेहरिस्त में रुक्मिणि भी शामिल हो गई हैं।

कांताराः चैप्टर 1 से लोकप्रिय हुईं रुक्मिणी जल्द बॉलीवुड में कदम रखने वाली हैं। साउथ की इस अभिनेत्री ने अपनी उम्दा अदाकारी से ऋषभ शेट्टी अभिनीत कांतारा चैप्टरः 1 में खूब तारीफें बटोरी हैं। अब वो वह हिंदी सिनेमा में पारी खेलने के लिए कमर कस चुकी हैं। रुक्मिणि ने बताया कि वो फौजी माहौल में पली–बढ़ी हैं और इसी परिवेश की वजह से उनकी हिंदी भाषा में भी अच्छी पकड़ है। रुक्मिणि ने कहा, मुझे हिंदी से प्यार है, लेकिन कभी इस भाषा में अपनी भावनाएं व्यक्त करने का ज्यादा मौका नहीं मिल पाया। मैं बॉलीवुड का हिस्सा बनकर हिंदी भाषा की फिल्म में अपनी अभिनय क्षमता दिखाने के लिए बहुत उत्साहित हूं, क्योंकि अब तक मुझे ऐसा करने का अवसर नहीं मिला। हालांकि, अब बहुत बातचीत चल रही है और मैं इसे लेकर बहुत–बहुत उत्साहित हूं। हालांकि, रुक्मिणि ने ये नहीं बताया कि वो किस बॉलीवुड फिल्म में नजर आएंगी।

एशेज : एडिलेड टेस्ट के लिए कमिंस, लियोन की ऑस्ट्रेलियाई प्लेइंग–11 में वापसी, ख्वाजा बाहर

एडिलेड ,कप्तान पैट कमिंस और अनुभवी स्पिन गेंदबाज नाथन लायन की अहम तीसरे टेस्ट मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवन में वापसी हो गई है। एशेज सीरीज का यह मैच एडिलेड ओवल में खेला जाएगा। गाबा टेस्ट में आठ विकेट से जीत दर्ज करने वाली टीम से दो खिलाड़ियों को बाहर किया गया है। इनमें ऑलराउंडर माइकल नेसर सबसे ज्यादा दुर्भाग्यशाली रहे, जबकि तेज गेंदबाज ब्रेंडन डॉजेट को भी टीम से बाहर बैठना पड़ा। नेसर ने गाबा में शानदार बॉलिंग की थी। पैट कमिंस के लिए यह टेस्ट साल के बीच में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए मैच के बाद पहला टेस्ट होगा। कमिंस ने कहा कि वह पूरी तरह फिट हैं और गेंदबाजी में किसी तरह की ओवर की सीमा नहीं होगी। उन्होंने बताया कि अगर वह ब्रिस्बेन टेस्ट में खेलते, तो शायद कम ओवर फेंकते, लेकिन इस मैच में वह सामान्य टेस्ट की तरह पूरी क्षमता से खेलेंगे।

पूर्व श्रीलंकाई क्रिकेट कप्तान अर्जुन रणतुंगा की होगी गिरफ्तारी

कोलंबो , श्रीलंका को वर्ष 1996 में क्रिकेट विश्व कप जिताने वाली टीम के कप्तान और पूर्व पेट्रोलियम मंत्री अर्जुन रणतुंगा को भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जाएगा। यह जानकारी बीबीसी न्यूज़ सिंहला के हवाले से सामने आई है। सोमवार को कोलंबो मजिस्ट्रेट कोर्ट ने सिलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (सीपीसी) के पूर्व अध्यक्ष और अर्जुन रणतुंगा के भाई धम्मिका रणतुंगा को रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के मामले में जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। धम्मिका रणतुंगा को भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के आरोपों की जांच के लिए गठित आयोग ने गिरफ्तार किया था। जांच आयोग ने अदालत को बताया कि इस

मामले में पूर्व पेट्रोलियम मंत्री अर्जुन रणतुंगा को संदिग्ध के रूप में पहचाना गया है और उन्हें गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जाएगा। धम्मिका रणतुंगा पर आरोप है कि उन्होंने 2017झ2018 के दौरान ईंधन की खरीद के लिए जारी तीन दीर्घकालिक (लॉन्ग–टर्म) टेंडरों को रद्द कर दिया और उनकी जगह अधिक कीमत वाले स्थानीय टेंडर लागू किए। इसके कारण सिलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन को लगभग 80 करोड़ श्रीलंकाई रुपये का नुकसान हुआ। फिलहाल मामले की जांच जारी है और आगे की कानूनी कार्रवाई की प्रतीक्षा की जा रही है।

एक नजर

कृष्णा त्रिपाठी ने थलीसैंण तहसील का कार्यभार ग्रहण किया

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : 2021 बैच के पीसीएस अधिकारी कृष्णा त्रिपाठी ने पौड़ी जिले की थलीसैंण तहसील का कार्यभार ग्रहण कर लिया। उनके पास बीरोंखाल तहसील का अतिरिक्त प्रभार रहेगा। दोनों ही तहसीलें भौगोलिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण एवं ग्रामीण आबादी वाली है। उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे गांवों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करें।

कृष्णा त्रिपाठी मूल रूप से मल्ला सालम, जैंती अल्मोड़ा निवासी हैं। केदारनाथ यात्रा के दौरान वह यात्रा मजिस्ट्रेट के रूप में भी तैनात रहे। कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने विजय दिवस के अवसर पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद तहसील एवं ब्लॉक कार्यालयों का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मंगलवार को उन्होंने तहसील दिवस पर शिकायतें भी सुनी। कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में राजस्व, सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सामाजिक कल्याण योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, आमजन की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण तथा प्रशासन को जन-अनुकूल और संवेदनशील बनाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा।

आंगनबाड़ी कर्मी कल्याण कोष के लिए धनराशि काटने से आक्रोश

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : आंगनबाड़ी कार्यकत्री सेविका मिनी कर्मचारी संगठन ने आंगनबाड़ी कर्मी कल्याण कोष के लिए तीन सौ रुपये की कटौती नहीं करने की मांग की है। इस संबंध में संगठन ने डीएम के माध्यम से सीएम को ज्ञापन भेजा है। कहा कि यदि सरकार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सेवानिवृत्ति या मृत्यु होने पर बिना अर्हता के 10 लाख की धनराशि देती है तो वह तीन सौ रूपए की धनराशि कटवाने के लिए तैयार है।मंगलवार को सीएम को भेजे गए ज्ञापन में संगठन की जिला प्रभारी विनीता रावत, उपाध्यक्ष सावित्री बिष्ट ने कहा कि महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को आंगनबाड़ी कर्मी कल्याण कोष योजना के तहत सेवानिवृत्त या मृत्यु होने पर एक मुश्त धनराशि में वृद्धि की मांग को लेकर संगठन से अनापत्ति मांगी गई, लेकिन संगठन की असहमति के बाद भी कार्यकर्ताओं का पैसा काटे जाने का प्रावधान किया जा रहा है। उन्होंने जल्द ही समस्या का हल निकाले जाने की मांग की है। इस मौके पर संगीता, कुसुम, शोभा, शुभलक्ष्मी आदि शामिल थे।

भक्तियाना में एक साथ दिखे दो गुलदार, दहशत में लोग

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत भक्तियाना में बीते सोमवार रात्रि को दो गुलदार सीसीटीवी कैमरे में दिखने से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। इससे पूर्व श्रीकोट, पराग डेयरी, घसिया महादेव, कमलेश्वर और आसपास के क्षेत्रों में गुलदार की चहलकदमी नजर आई है, जबकि बीते महीने खिर्सू ब्लॉक के कोटी गांव में बुजुर्ग महिला को गुलदार ने निवाला बनाया था। लगातार घूमते नजर आ रहे गुलदारों से श्रीनगर में नौकरी पेशे वाले लोग भी सहमे हुए दिनचर्या निर्वहन कर रहे हैं। स्थानीय अरुण नेगी, राजेश बडोनी, विजय रावत ने बताया कि सोमवार देर रात्रि शीतलामाता मंदिर मार्ग भक्तियाना में वे दुकान का काम निपटा कर करीब दस बजे घर की ओर जा रहे थे, इतने में दो गुलदारों की एक साथ आवाजाही देखी गई, जिससे डर का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने गुलदार को पकड़ने के लिये आवाजाही वाले इलाकों में पिंजरा लगाये जाने की मांग की, जिससे कोई बड़ी घटना घटित न हो पाये। इधर, श्रीनगर रेंजर दिनेश नौटियाल ने बताया कि गुलदार की सूचना पर विभागीय टीम गश्त कर रही है। (एजेंसी)

श्रीनगर में किया स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड कीर्तिनगर के मढ़ी चौरास में स्मार्ट मीटर लगाए जाने पर ग्रामीणों ने कड़ा रोष व्यक्त किया है। इस संदर्भ में उपजिलाधिकारी कीर्तिनगर को भेजे ज्ञापन में जिला पंचायत मढ़ी चौरास वार्ड-33 निर्मला देवी भंडारी ने कहा कि विद्युत विभाग द्वारा चौरास क्षेत्र में उपभोक्ताओं की सहमति बिना इलेक्ट्रॉनिक मीटर लगाए जा रहे हैं, जिससे स्थानीय जनता में काफी आक्रोश है। कहा कि निकटतम क्षेत्र श्रीनगर, पौड़ी के जिन घरों में इलेक्ट्रॉनिक मीटर लगाये गये हैं, उनके दस गुना ज्यादा बिजली का बिल आने लगा है, जिससे लोगों में खासा रोष बना हुआ है। उन्होंने कहा कि जिला पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत जिन-जिन घरों में पुराने मीटरों की जगह इलेक्ट्रॉनिक मीटर लगाये गये हैं, उन्हें तत्काल प्रभाव से हटवाया जाए।

कोटद्वार शहर की सड़कों पर लगातार बढ़ रही गोवंश की संख्या

राह चलते लोगों के साथ ही काश्तकारों के लिए मुसीबत बने गोवंश

सड़क पर निराश्रित गोवंश का झुंड

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार की सड़कों पर लगातार बढ़ रही गोवंश की संख्या आमजन की चिंता बढ़ा रही है। लेकिन, सरकारी सिस्टम जनता की इस समस्या को लेकर लापरवाह बना हुआ है। पिछले एक माह के भीतर गोवंश दस से अधिक राहगीरों को घायल कर चुके हैं। यही नहीं तीन से अधिक लोग गोवंश के हमले में अपनी जान तक गंवा चुके हैं। चौंकाने वाली बात तो यह है कि लगातार शिकायत के बाद भी आज तक नगर निगम ने गोवंश सड़क पर छोड़ने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई तक नहीं की। ऐसे में कैसे समस्या का निराकरण होगा यह बड़ा सवाल है।

निराश्रित गोंवश संरक्षण को लेकर नगर निगम बड़े-बड़े दावे करता है। लेकिन, धरातल की स्थिति निगम के इन दावों की पोल खोल रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ ही मुख्य सड़कों पर बैठा गोवंश का झुंड आसानी से देखा जा सकता है। क्षेत्र की नदियों पर बने पुलों में पूरे दिन गोवंश का जमावड़ा लगा रहता है। जिससे राहगीरों को दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। गलियों में घूमने वाले गोवंशों के कारण बुजुर्ग व बच्चों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। कुछ माह पूर्व झंडाचौक में गोवंश एक दुकान के भीतर घुस गया था। दुकान में बैठे व्यापारी ने भागकर अपनी जान बचाई। लगातार बढ़ रहे गोवंश की संख्या से सबसे अधिक खतरा स्कूली बच्चों को बना हुआ है। नियमानुसार, गोवंश को सड़क पर छोड़ने वालों के खिलाफ नगर निगम को कार्रवाई करनी चाहिए। लेकिन, आज तक नगर निगम ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। नतीजा, लोग लगातार गोवंश को सड़क पर निराश्रित छोड़ रहे हैं।

अब तक हुई घटनाएं

कुछ माह पूर्व जौनपुर में अपने घर के बाहर खड़े एक व्यक्ति पर गोवंश ने हमला कर दिया था। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को बेस अस्पताल पहुंचाया गया। लेकिन, कुछ दिन बाद ही उपचार के दौरान व्यक्ति की मौत हो गई। काशीरामपुर तल्ला में भी गोवंश ने एक व्यक्ति पर हमला कर दिया था। बेस अस्पताल में प्रथमिक उपचार के बाद व्यक्ति को हायर सेंटर रेफर किया गया। जहां उपचार के दौरान उनकी भी मौत हो गई थी। पटेल मार्ग में सब्जी खरीद रही महिला पर गोवंश ने हमला कर दिया था। महिला को उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया। लगातार घटनाओं के बाद पूर्व सैनिक सहित अन्य संगठनों ने नगर निगम व प्रशासन से गोवंशों को पकड़ने के लिए अभियान चलाने की बात कही। लेकिन, आज तक निगम का यह अभियान रंग नहीं ला पाया है। सबसे अधिक परेशानी बदरीनाथ मार्ग, झंडाचौक, पटेल मार्ग, नजीबाबाद रोड, स्टेशन रोड, देवी रोड, मानपुर व भाबर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर बनी हुई है।

गेस्ट हाउस में चोरी करने वाले बदमाश गिरफ्तार

कोतवाली पुलिस के हत्थे चढ़े चोर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मालगोदाम रोड स्थित लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में चोरी की घटना को अंजाम देने वाले बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। चोरों के पास से चोरी का सामान भी बरामद हुआ है। मामले में देहादून निवासी देवेंद्र रावत की ओर से कोतवाली में तहरीर दी गई थी। जिसमें उन्होनें बताया था कि 16 दिसंबर को वह गेस्ट हाउस में रुके थे। इसी दौरान रात्रि के समय अज्ञात चोरों द्वारा उनका मोबाइल फोन, जैकेट व 13,000 रुपये की नगदी चोरी कर दी थी। तहरीर मिलते ही पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरु कर दिए थे। मामले में पुलिस ने मदनी मस्जिद स्टेडियम लकड़ी पड़ाव निवासी सुल्तान उर्फ डागा, सुहेल, राजेश व फारुख को गिरफ्तार किया है। बदमाशों के पास से मोबाइल व नगदी भी बरामद हुई है।

केंद्रीय विद्यालय में छात्रों के कौशल को निखारा जाएगा

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय कोठार पौड़ी में छात्र-छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ उनके छिपे कौशल को भी निखारा जाएगा। स्कूल में पहली व्यावसायिक प्रयोगशाला तैयार हो गई है। प्रयोगशाला को देख स्कूली बच्चों में खासा उत्साह देखा गया। मंगलवार को केंद्रीय विद्यालय कोठार पौड़ी में स्थापित व्यावसायिक प्रयोगशाला का औपचारिक शुभारंभ अपर आयुक्त गढ़वाल मंडल उत्तम सिंह चौहान ने किया। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने नई शिक्षा नीति के तहत देश के 182 केंद्रीय विद्यालयों में व्यावसायिक प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने केंद्रीय विद्यालय संगठन के स्थापना दिवस पर उक्त व्यावसायिक प्रयोगशालाओं का वर्चअल उद्घाटन किया। मंगलवार को केंद्रीय विद्यालय कोठार पौड़ी में स्थापित व्यावसायिक प्रयोगशाला का औपचारिक शुभारंभ अपर आयुक्त गढ़वाल मंडल उत्तम सिंह चौहान ने किया। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी के कौशल को प्रशिक्षण देखर निखारने के लिए नई शिक्षा नीति में यह अलख जगाई जा रही है। आने वाले समय में इसके सकारात्मक बेहतर परिणाम सामने होंगे। उन्होंने छात्र-छात्राओं को प्रयोगशाला में दिए जा रहे प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाए जाने के लिए प्रोत्सोहित किया। कहा कि नौकरियां सिमट रही है। नया दौर कौशल विकास का है। जिसको ध्यान में रखते हुए नई शिक्षा नीति में इस पर विशेष रुप से फोकस किया गया है। प्रधानाचार्य अनीता बिष्ट ने बताया कि विद्यालय की पहली व्यावसायिक प्रयोगशाला स्थापित हो गई है। जिसमें कक्षा 6 से 12 तक के बच्चों को रोबोटिक्स, कारपेंटरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग व गार्डनिंग का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

लोगों को गुलदार, भालू व सुअर से बचाव की जानकारी दी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पौड़ी जिले में बढ़ते मानव-वन्यजीव संघर्ष को लेकर आशाएं सेवा समिति नौगांवखाल भी इन दिनों जन जागरूकता यात्रा कर लोगों को जानकारी दे रहा है। समिति ने सतपुली से एकेश्वर आदि आस-पास के एक दर्जन बाजारों में यात्रा निकाली है। यात्रा के दौरान गांवों और कस्बों में ग्रामीणों और शैक्षणिक संस्थानों में छात्र-छात्राओं को भी जागरूक किया जा रहा है। इस दौरान लोगों को गुलदार के साथ ही भालू व सुअर से बचाव की जानकारी दी गई। समिति के पदाधिकारियों ने कहा मानव-वन्यजीव संघर्ष को लेकर पौड़ी संवेदनशील बना हुआ है। वन्यजीवों के व्यवहार में भी परिवर्तन देखने को मिल रहा है। युवाओं से जागरूकता अभियान में अहम भूमिका निभाने के लिए आगे आने पर भी जोर दिया गया है। समिति के सचिव एवं पूर्व प्रमुख एकेश्वर नीरज पांथरी ने बताया कि क्षेत्र के सिमराली, नौगांव कमंदा, मलेठी, बौंसाल, पैछारी, मेटाकुंड, कैशरपुर, अमोठा, पाटीसैंण, बड़ेथ, सतपाली, रिंगवाडी, जणदा देवी से नौगांवखाल, सिमारखाल, एकेश्वश्वर, श्रीकोटखाल, बेरीखाल, वृद्ध आश्रम सतपुली, मलेठी बैंड आदि में यह जन जागरूकता यात्रा निकाली गई है।

वीर नारियों व शहीदों के स्वजनों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

कार्यक्रम में शहीदों के स्वजनों को सम्मानित करते अतिथि

कोटद्वार : विजय दिवस पर जिला सैनिक कल्याण एवं पुर्नवास विभाग ने देश की सेवा में अपना बलिदान देने वाले वीरों के स्वजनों व उनकी वीरांगनाओं को सम्मानित किया। इस दौरान लोगों ने वीर सैनिकों के योगदान को भी याद किया। कहा कि देश सेवा में दिए जा रहे सेना के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

मंगलवार को बदरीनाथ मार्ग स्थित प्रेक्षागृह में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर शैलेंद्र सिंह रावत व जिला सैनिक कल्याण अधिकारी (अप्रा) कर्नल वीपी भट्ट ने शहीदों के चित्रों पर माल्यार्पण कर किया। इसके उपरांत राजकीय कन्या इंटर कालेज की छात्राओं ने गढ़वाली वंदना की प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद हैड हेरिटेज एकेडमी के छात्रों ने तिरंगा लहराए धरती हमारी देश गान व राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम की प्रस्तुति दी। ज्ञान भारती पब्लिक स्कूल के छात्रों ने भारत का लाल हिमालय को बेटा गीत पर प्रस्तुति दी। वक्ताओं ने कहा कि देश की रक्षा में दिए जा रहे वीर सैनिकों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। कहा कि 16 दिसंबर 1971 को भारतीय सेना ने पाकिस्तान को पराजित कर बांग्लादेश को आजाद करवाया था। इस युद्ध में देश के जांबाज सैनिकों ने पाकिस्तान के 93 हजार सैनिकों को बंधक बना दिया था। कहा कि देश के वीर सैनिकों ने देश की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। पूर्व सैनिकों ने देश की रक्षा का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम के दौरान वीर नारी विमला देवी, गीता नेगी, अनीता नेगी व विरेंद्र सिंह गुसांई को सम्मानित किया गया। इस मौके पर पूर्व सैनिक लीग के अध्यक्ष कर्नल (अप्रा) बीबी ध्यानी, सीपी डोबरियाल, गोपाल कृष्ण बड़थ्वाल, नगर आयुक्त पीएल शाह, कुलदीप गुसांई, भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल मौजूद रहे।

कण्वाश्रम व मालन नदी में चलाया स्वच्छता अभियान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : डैफोडिल पब्लिक स्कूल की ओर से कण्वाश्रम व मालन नदी के तट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। बच्चों ने एकत्रित कूड़े को नष्ट करते हुए आमजन को भी स्वच्छता का संदेश दिया।

स्वच्छता अभियान से पूर्व विद्यालय में शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षकों ने विद्यार्थियों को स्वच्छता के महत्व के बारे में बताया। कहा कि शहर को स्वच्छ व स्वस्थ बनाने के लिए हम सभी को प्रयास करने चाहिए। इसके उपरांत विद्यार्थियों ने विद्यालय से कण्वाश्रम तक जागरूकता रैली निकाली। विद्यार्थियों ने कण्वाश्रम मालन नदी के आसपास फैली गंदगी को एक जगह एकत्रित कर उसे नष्ट किया। विद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी शंकर बहादुर ने स्पर्श गंगा अभियान के लिए सभी स्वयं सेवकों को स्पर्श गंगा की शपथ दिलायी।

कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत कण्वाश्रम स्थित मालन नदी में स्वच्छता अभियान चलाते विद्यार्थी

कहा कि हमें अपने आसपास की नदी व प्राकृतिक स्त्रोतों को जीवित रखना चाहिए। इस मौके पर कार्तिक कंडवाल, अमित स्वरूप, शिवांशी रावत, अंश उपाध्याय, नैतिक, शिवम, प्रत्यूष, सुहानी पटवाल आदि मौजूद रहे।

घरों से हटाए जाएं स्मार्ट मीटर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत आमपड़ाव, लकड़ी पड़ाव सहित विभिन्न क्षेत्र के लोगों ने घरों में लगे स्मार्ट मीटरों को न हटाए जाने पर आक्रोश जताया। कहा कि वे विगत 80 दिनों से तहसील परिसर में धरना दे रहे है। लेकिन, उनकी मांग को अनसुना किया जा रहा है।

पार्षद रीता देवी के नेतृत्व में आमपड़ाव, लकड़ी पड़ाव, ध्रुवपुर, कुभीचौड़ सहित विभिन्न क्षेत्रों के लोग तहसील परिसर में एकत्र हुए व शासन-प्रशासन के साथ ही ऊर्जा निगम के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। रीता देवी ने कहा कि ऊर्जा निगम के माध्यम से लोगों के घरों में जबरदस्ती स्मार्ट मीटरों को लगाया गया। कहा कि इन स्मार्ट मीटरों में खपत से ज्यादा बिल आ रहा है, जो कि गरीब व आर्थिक रूप से कमजोर लोगों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ रहा है। कहा कि इससे पहले पुराने मीटरों पर खपत के अनुसार की बिल आ रहा था। कहा कि जिन घरों में स्मार्ट मीटर लगाए है, उन्हें हटाकर पुरानी व्यवस्था बनाई जाए। इस मौके पर विकास रावत, ललित पटवाल, मंगल सिंह बिष्ट, सुरेंद्र सिंह रावत, अमित प्रकाश, परमानंद, आशाराम, अनिल वर्मा आदि मौजूद रहे।

सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वालों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : वैश्य अग्रवाल सभा की तरफ से अग्रसेन जयंती समारोह के अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पांच विभूतियों व 40 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर शैलेंद्र सिंह रावत, गोपाल शरण, सुबोध गर्ग व राकेश गर्ग ने संयुक्त रूप से महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। सर्वप्रथम छात्रों ने स्वागत गीत व शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। तत्पश्चात समाज में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए विष्णु अग्रवाल, कैलाश चंद्र अग्रवाल, कृष्ण चंद्र सिंघानिया व शिक्षा के क्षेत्र में राजकीय महाविद्यालय पैठाणी के प्राचार्य डा. विजय कुमार अग्रवाल, साहित्य व लेखन के लिए रागिनी अग्रवाल को अग्र गौरव रत्न से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के 40 मेधावी छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर नरेंद्र अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, रेनू अग्रवाल, पूर्ति अग्रवाल, मीनाक्षी अग्रवाल, प्रतीक गुप्ता, जीवन जैन, नवीन अग्रवाल, राजीव गोयल, शिव कुमार, विनोद गर्ग, नरेंद्र मित्तल, हिमांशु अग्रवाल मौजूद रहे।

गुमशुदगी सूचना

यह सूचित किया जाता है कि मेरे नाम से संबंधित भूमि की पुरानी रजिस्ट्री जो विकास चन्द्र के नाम पर थी, दिनांक 10-12-2025 को कोटद्वार तहसील और दुर्गापुरी के बीच कहीं गुम हो गई है। गुम हुई रजिस्ट्री का विवरणः खतौनी संख्याः 20 खेत संख्याः 8, 12, 14, 15, 16, 17, 20, 112, 113, 22/225, 22/227 मध्या भूमि का क्षेत्रफलः 1020 वर्गफुट (94.79 वर्ग मीटर / 0.009 हेक्टेयर) बही संख्याः 1, जिल्द 1437, पृष्ठ 41 से 60, क्रमांक 920 रजिस्ट्रीकरण दिनांकः 19 जून 2020, स्टाम्प संख्याः IN-UK72313459467715S, FIR Number– 003100/2025, जिस किसी व्यक्ति को यह दस्तावेज मिले, वह कृपया नीचे दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क करें।

नाम : पंकज सिंह रावत
पताः ग्राम नंदपुर, पट्टी मोटाढांग, परगना भाबर, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल
मोबाइल नंबर - 9410783563
(1534/21)

उत्तर रेलवे
ई-नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / कोचिंग, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा वाणिज्य विज्ञापन, मेडिकल आउटलेट, डिजिटल लाकर, एटीएम, स्लीपिंग पॉड्स, हेल्थ एटीएम कियोस्क, प्रधान मंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र, बैटरी ऑपरेटेड व्हीकल, कैफेटेरिया एवं रेल कोच रेस्टोरेंट के ठेके को संचालन एवं आवंटन हेतु ई-डोलियाँ website: www.ireps.gov.in पर दिनांक 31.12.2025 को आमंत्रित की गयीं है, इनकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

3878/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रबर मण्डल अभियन्ता / चतुर्थ द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या किसके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक के सामने अंकित है। जो उसी दिन 16:30 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की नीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से सम्बन्धित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	249-DRM-MB-25-26 Dt. 09.12.2025	250-DRM-MB-25-26 Dt. 10.12.2025	252-DRM-MB-25-26 Dt. 10.12.2025
कार्य का नाम	Repair to gate lodge, road surface, height gauge and other miscellaneous work related to standardization of LCs in the section of ADEN/HPU.	Heavy repair to PWI store cum office at HPU and BSC in the section of ADEN/HPU under Sr. DEN/IV/MB.	Heavy repair/improvement of existing washing line at NBD Depot.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	08.01.2026	08.01.2026	08.01.2026
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00	16:00	16:00
अनुमानित लागत (रु.)	79,97,870.75	59,83,509.55	63,45,895.42
धरोहर राशि (रु.)	1,60,000.00	1,18,900.00	1,26,900.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	6 माह	6 माह	6 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	25.12.2025	25.12.2025	25.12.2025

टेन्डर नं: Sr. DEN-IV/Publication/25-26 दिनांक: 16.12.2025 3884/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम की दी जानकारी

आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को जानकारी देते शिक्षक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पब्लिक इंटर कॉलेज सुरखेत में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम की जानकारी दी गई। कहा कि विद्यार्थियों को तनाव से दूर रहकर परीक्षा की तैयारी के लिए प्ररित करने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने विद्यार्थियों को कार्यक्रम की जानकारी दी। कहा कि शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग की ओर से चलाया जाता है। परीक्षा पे चर्चा एक ऐसा कार्यक्रम है जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के विद्यार्थियों, शिक्षकों व अभिभावकों के साथ संवाद करके परीक्षा को एक उत्सव के रूप में मनाते है। प्रधानमंत्री विद्यार्थियों को बिना किसी तनाव के परीक्षा की तैयारी करने के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां देते हैं। कहा कि प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागी प्रधानमंत्री के साथ संवाद कार्यक्रम में शामिल होकर प्रश्न पूछ सकते हैं। प्रतियोगिता में कक्षा छह से 12 तक पढ़ने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों की ओर से प्रतिभाग किया जाएगा। इस मौके पर प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी व अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

बालिकाओं की शिक्षा के प्रति जागरूक होने की जरूरत

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विद्या भारती योजना के तहत सप्त शक्ति समागम को लेकर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर पौड़ी में मातृशक्ति सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने मौजूद मातृशक्ति को पंच परिवर्तन जिसमें सामाजिक समरसता, परिवार प्रबोधन, नागरिक कर्तव्य, स्व का बोध एवं पर्यावरण के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य वक्ता जीजीआईसी पाबौ में तैनात रसायन प्रवक्ता वंदना बहुगुणा ने कहा कि समाज में प्राचीन समय से ही महिलाओं को उच्च स्थान प्राप्त है। वहीं मुख्य वक्ता उद्यान पर्यवेक्षक प्रियंका जोशी ने कहा कि परिवार में मां पहली शिक्षिका होती है। कहा कि बालिकाओं की शिक्षा के प्रति बहुत जागरूक होने की जरूरत है। कार्यक्रम की अध्यक्ष प्रसन्ना डोभाल ने सरकार द्वारा चलाई जा रही है महिला सशक्तिकरण योजनाओं की जानकारी दी। इससे पूर्व सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर किया अतिथियों ने कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की। इस मौके पर नीलम नेगी, विनोद मुंडेपी, रूबी रावत, निशा रावत, बृजपाल आदि भी मौजूद रहे। संचालन स्कूल की वरिष्ठ आचार्य मेनका बहुगुणा ने किया।

1971 की जंग का गौरवशाली अध्याय सभी याद रखें

श्रीनगर गढ़वाल : भाजपा श्रीनगर मंडल ने मंगलवार को 1971 की जंग के बलिदानियों को याद किया। इस दौरान भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने गृहमंत्री अमित शाह द्वारा संसद में दिए गए एसआईआर संबंधी भाषण को भी सुना। श्रीनगर मंडल अध्यक्ष विनय घिल्डियाल ने कहा कि 1971 की जंग भारत के सैन्य इतिहास का गौरवशाली अध्याय है, जिसे प्रत्येक देशवासी को याद रखना चाहिए। कहा कि उन सभी सैनिकों को याद करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है, जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की बाजी लगाते हुए विरोधी सेना के 93 हजार सैनिकों को आत्मसमर्पण के लिए विवश किया। बैठक में कार्यकर्ताओं ने एकजुटता के साथ संगठन को मजबूत करने तथा केंद्र सरकार की नीतियों और निर्णयों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस मौके पर मंडल महामंत्री दिनेश पटवाल व शुभम प्रभाकर, शक्ति केंद्र प्रभारी प्रकाश सती, मंडल मीडिया संयोजक आशीष उनियाल, सूर्य प्रकाश नौटियाल, सुरेंद्र सिंह नेगी आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

ग्रामीणों ने थाली बजाकर निकाली जनाक्रोश रैली

चमोली : चमोली जिले के पोखरी विकासखंड में जंगली जानवरों के लगातार हमलों और आबादी क्षेत्रों में घुसकर दहशत फैलाने के विरोध में मंगलवार को जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने थाली बजाकर सरकार और वन विभाग के खिलाफ जनाक्रोश रैली निकाली। इस रैली में महिलाओं की बड़ी संख्या में सहभागिता रही।

जनाक्रोश रैली मंगलवार को पोखरी ब्लॉक मुख्यालय के डामर नामक स्थान से प्रारंभ होकर विनायकधार तक निकाली गई।

कार्यकर्ता संतोष नेगी ने बताया कि पूरे क्षेत्र और आसपास के गांवों में हिंसक वन्यजीवों के लगातार हमलों से आक्रोशित जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने रैली निकालकर तहसील कार्यालय पहुंचकर उपजिलाधिकारी अबरार अहमद के माध्यम से भारत सरकार और राज्य सरकार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि क्षेत्र में भालू और गुलदार के आतंक से ग्रामीण और नगर क्षेत्रों में भय का माहौल बना हुआ है। लेकिन सरकार और वन विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस नीति या प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं। आक्रोश रैली को संबोधित करते हुए व्यापार संघ अध्यक्ष बीरेंद्र राणा ने कहा कि जिस तरह से जंगली जानवरों का आतंक बढ़ता जा रहा है, उससे ग्रामीण क्षेत्रों में रहना मुश्किल हो गया है। सरकार पलायन रोकने के केवल दावे कर रही है, जबकि जमीनी हकीकत यह है कि लोग भय के साये में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। (एजेंसी)

संक्षिप्त समाचार

वन्यजीवों से फसलों की सुरक्षा को करेगी डेंजर दवा

चमोली : उत्तराखंड में ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर नगर बाजारों तक वन्यजीवों के हमले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। आए दिन जंगली जानवर न केवल मानवों पर हमला कर रहे हैं, बल्कि किसानों की फसलों को भी भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। इस बढ़ती समस्या से निपटने के लिए कृषि विभाग ने एक नया और अभिनव प्रयोग शुरू किया है। चमोली जनपद में किसानों को वन्य प्राणियों से फसलों की सुरक्षा के लिए डेंजर नामक दवा उपलब्ध कराई जा रही है। जिला मुख्यालय में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने ग्रामीण क्षेत्रों में जंगली जानवरों से फसलों और मानव जीवन की सुरक्षा के उद्देश्य से इस दवा का प्रायोगिक वितरण किया। यह दवा विशेष रूप से भालू, जंगली सूअर सहित अन्य वन्यजीवों को फसलों से दूर रखने में सहायक मानी जा रही है। ग्रामीणों को निर्देश दिए गए हैं कि वे इस दवा का प्रयोग जंगली जानवरों के प्रवेश मार्गों और उनके आवागमन वाले क्षेत्रों में करें, ताकि फसल क्षति और मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं में कमी लाई जा सके। (एजेंसी)

गढ़वाल विवि और एसएसबी में जल्द होगा एमओयू

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय श्रीनगर और एसएसबी ग्वालदम एवं श्रीनगर के बीच सशस्त्र सेनाओं को मजबूती प्रदान किरने के लिए शीघ्र एमओयू किया जाएगा। इस सम्बन्ध में एसएसबी श्रीनगर के डीआईजी सुभाष चन्द्र नेगी और एसएसबी ग्वालदम के डीआईजी डीएन भोम्बे ने सोमवार को विश्वविद्यालय पहुंच कर कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह से शिष्टाचार भेंट की। कुलपति ने एसएसबी की पहल का स्वागत करते हुए कहा कि सशस्त्र सेनाओं को हर सम्भव तरीके से विश्वविद्यालय अपना सहयोग देने के लिए तत्पर है। कुलपति ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे एसएसबी की टीम के साथ समन्वय कर एमओयू का कार्यवृत्त शीघ्र ही तैयार कर प्रस्तुत करें। इस मौके पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओपी गुंसाई, डीन एकेडमिक प्रो. प्रशान्त कण्डारी, एमबीए के विभागाध्यक्ष प्रो. महेन्द्र बाबू कुर्वा आदि उपस्थित थे। (एजेंसी)

क्रिकेट बालक वर्ग की चयन प्रतियोगिता आज से

चमोली : क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के तत्वाधान में अंडर-14 बालक वर्ग की चयन प्रतियोगिता 17 से 19 दिसंबर तक आयुष क्रिकेट अकेडमी देहरादून छिदरवाला में सम्पादित होगी। पर्वतीय क्रिकेट एसोसिएशन चमोली के जिला सचिव नरेंद्र साह, जिलाध्यक्ष पवन भंडारी एवं जिला मीडिया प्रभारी प्रदीप भंडारी ने अवगत कराया गया कि चयन प्रतियोगिता में पंजीकरण के लिए अकेडमी में अपने सभी आवश्यक प्रपत्रों को साथ में लाना होगा। इस चयन प्रक्रिया में 1 सितंबर 2011 से 31 अगस्त 2014 के मध्य जन्म वाले खिलाडी ही प्रतिभाग कर सकते हैं।

सुरेन्द्र बनें चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष

चमोली : राजकीय इंटर कॉलेज गैरसैंण में आयोजित चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ के सुरेन्द्र पंचोला निर्विरोध जिला अध्यक्ष चमोली बने हैं। इसके साथ ही उपाध्यक्ष, बंसीलाल और शशि देवी, मंत्री गिरीश जोशी, कोषाध्यक्ष बच्ची राम, संरक्षक तोता राम रतूड़ी एवं आय व्यय निरीक्षक शिव सिंह बिष्ट भी निर्विरोध चुने गए। अष्टम द्विवार्षिक अधिवेशन के दौरान हुए इस चुनाव में राधव नंद सती प्रदेश अध्यक्ष, जेएस कठैत प्रदेश महामंत्री, मंडल अध्यक्ष प्रकाश स्वरूप तिवाड़ी, प्रदेश उपाध्यक्ष त्रिभुन सिंह, वीरेन्द्र कुंवर, मोहन लाल, बलवंत सिंह, चरण सिंह, रविन्द्र सिंह, मो. नासिर, जमन सिंह शरीफ मियां, लक्ष्मी देवी आदि शामिल रहे। (एजेंसी)

भालू और गुलदार की दहशत, स्कूल के चारों ओर काटी झाड़ियां

रुद्रप्रयाग : प्राथमिक विद्यालय खुरड़ में स्कूल प्रशासन ने अभिभावकों के साथ मिलकर भालू एवं गुलदार की सुरक्षा को विद्यालय के चारों ओर उगी झाड़ियां काटी। ताकि किसी तरह जंगली जानवरों को छुपने की जगह न मिल सके। गांव की महिलाओं ने स्कूल की शिक्षिका के साथ मिलकर इस कार्य में सहयोग दिया। मंगलवार को प्राथमिक विद्यालय खुरड़ में शिक्षका लक्ष्मी नेगी के नेतृत्व में गांव की महिलाओं ने विद्यालय परिसर के बाहरी क्षेत्र में उगी झाड़ियों को काटा। स्कूली बच्चों एवं शिक्षकों की सुरक्षा को देखते हुए चारों ओर झाड़ियों को काटा गया। इस मौके पर शिक्षिका लक्ष्मी नेगी ने कहा कि इन दिनों गुलदार और भालू का खतरा बना है किसी तरह कोई घटना न हो इसके लिए सुरक्षा का निरंतर ध्यान दिया जा रहा है।

वीर सैनिकों एवं वीरांगनाओं का सम्मान सर्वोपरि : पोरी

विजय दिवस पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि, वीर सैनिकों और वीर नारियों किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। पौडी : 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारत की ऐतिहासिक विजय की स्मृति में जनपद में विजय दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने एनसीसी कैडेट्स के नेतृत्व में एजेंसी चौक से कलेक्ट्रेट परिसर तक मार्च पास्ट निकाला। मार्च पास्ट को स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी ने एजेंसी चौक पर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके उपरांत विधायक एवं अन्य अधिकारियों द्वारा शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर देश के वीर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस दौरान पुलिस बल द्वारा शहीदों के सम्मान में गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। इस अवसर पर वीर सैनिकों एवं शहीद सैनिकों की वीरांगनाओं को सम्मानित किया गया। प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम का स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी व मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान राजकीय आदर्श प्राथमिक विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीतों ने पूरे सभागार को देशप्रेम की भावना से ओत-प्रोत कर दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक राजकुमार पोरी ने कहा कि जब देश का जांबाज सिपाही सीमाओं पर दिन-रात देश की रक्षा करता है, तभी हम देश के भीतर सुरक्षित वातावरण में खुली हवा में सांस ले पाते हैं। कहा कि देश सर्वोपरि है और हर नागरिक अपने-अपने कार्यक्षेत्र में ईमानदारी व कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य कर देश की सेवा कर सकता है। उन्होंने कहा कि 1971 के युद्ध में पौड़ी जनपद के 33 वीर सैनिकों ने अपने प्राणों की आहुति दी, जिसे हम कभी भुला नहीं सकते। उन्होंने युवाओं से देशभक्ति, अनुशासन और सेवा-भाव को अपने जीवन का लक्ष्य बनाने का आह्वान किया। मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत ने कहा कि 1971 का भारत-पाकिस्तान युद्ध भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और रणनीतिक कौशल का प्रतीक है, जिसके परिणाम स्वरूप बांग्लादेश को स्वतंत्रता प्राप्त हुई। उन्होंने युद्ध की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और परिणामों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह विजय केवल सैन्य जीत नहीं, बल्कि मानवता और न्याय की जीत थी। कहा कि हमें अपने वीर सैनिकों के बलिदान से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अनिल गर्ब्याल, सहायक सैनिक कल्याण अधिकारी सत्यपाल सिंह रावत, सेवानिवृत्त नायब सुबेदार श्रीचंद सिंह रावत, सेवानिवृत्त हवलदार बीरेन्द्र सिंह, सेवानिवृत्त ऑनरेरी कैप्टन मातबर सिंह नेगी, सेवानिवृत्त सुबेदार भाकचंद सिंह रावत, शहीद सैनिकों की वीरांगनाएं सुशीला देवी, विमला देवी, लीला देवी सहित अन्य सेवानिवृत्त सैनिक, स्कूली छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

युवा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें

1971 के युद्ध में सम्मिलित रहे एवं प्रत्यक्षदर्शी सेवानिवृत्त कैप्टन सत्य प्रकाश धस्माणा ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यह युद्ध भारतीय सेना के साहस, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इस युद्ध में पाकिस्तान के 93,000 सैनिकों का आत्मसमर्पण भारतीय सैन्य इतिहास की एक अभूतपूर्व और विश्व में अद्वितीय घटना है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे सुयोग्य नागरिक, सक्षम अधिकारी और जिम्मेदार नेतृत्वकर्ता बनकर देश की सेवा करें तथा राष्ट्रहित को सदैव सर्वापरि रखें।

निबंध में ऐश्वर्या, चित्रकला में प्राची ने मारी बाजी

कार्यक्रम में निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं में पीएम श्री राइका पौड़ी की छात्रा ऐश्वर्या नौटियाल (प्रथम), राइका मैसमीर की छात्रा आंचल (द्वितीय), डीएवी इंटर कॉलेज पौड़ी की छात्रा मरियम (तृतीय) को सम्मानित किया गया। वही चित्रकला प्रतियोगिता में राइका पैडुल की प्राची (प्रथम), राइका क्वार्क के लोकेन्द्र शाह (द्वितीय) तथा पीएम श्री राइका पौड़ी की छात्रा कविता (तृतीय) को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

कालीमाई की देवरा यात्रा पहुंची चौमासी

रुद्रप्रयाग : सिद्धपीठ कालीमठ की कालीमाई की देवरा यात्रा मंगलवार को जाल मल्ला से चामुण्डा मंदिर होते हुए सुदरवर्ती गांव चौमासी पहुंची। गांव में पहुंचते ही मां भगवती कालीमाई का भव्य स्वागत किया गया। जाल मल्ला में पंचों द्वारा मां कालीमाई का पूजन अर्चन कर अर्घ्य भेंट किया गया। चौमासी के पंच परंपरागत दही चीनी के साथ माता के बुलावे के लिए पहुंचे। कालीमाई द्वारा सभी भक्तों को आशीर्वाद देते हुए देवी ने चौमासी के लिए प्रस्थान किया। मार्ग में कालीमाई की देवरा यात्रा चामुण्डा के प्राचीन भंडार एवं कालीमठ की धियाणियों के घरों पर भी रुकी। इन स्थानों पर देवरा यात्रियों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई थी। अर्घ्य अर्पित करने के बाद मां कालीमाई द्वारा धियाणियों एवं भक्तों को आशीर्वाद दिया गया। यात्रा पुराने पैदल मार्ग से होते हुए खड़ी चढ़ाई चढ़ने के बाद चौराधार में बने चामुण्डा के मंदिर में पहुंची। यहां पर देवरा यात्रियों द्वारा चामुण्डा माता की सूक्ष्म पूजा अर्चना की गई। चौमासी की महिलाएं भी कालीमाई की अगवानी के लिए पहुंची। भक्तों द्वारा भजन और जयकारों से भगवती कालीमाई का स्वागत किया गया। सड़क मार्ग में जाल मल्ला की यात्रा के साथ चल रही महिलाओं, बच्चों, एवं पुरुषों को आशीर्वाद देते हुए विदा किया। विदा लेते हुए सभी की आंखें नम हो गई। सभी भक्त भगवती कालीमाई का गुणगान करते हुए अंतिम गांव चौमासी पहुंचे। यहां सबसे पहले देवरा यात्रा जाख देवता के मंदिर में पहुंची। कालीमाई द्वारा जाख देवता को माला एवं चुनरी भेंट की गई। यहां पर जलपान के बाद यात्रा चौमासी के पंचायती चौक में पहुंची जहां पर ग्रामीणों द्वारा भगवती कालीमाई सहित सम्पूर्ण पंचगाईं के यात्रियों का फूल मालाओं से स्वागत किया।

अलकनंदा और मंदाकिनी संगम में बिखरी गंदगी

रुद्रप्रयाग : नगर क्षेत्र में स्थित अलकनंदा और मंदाकिनी संगम पर चारों ओर गंदगी बिखरी है। दाह संस्कार करने आ रहे लोग यहां अधजली लकड़ी और कपड़े छोड़ रहे हैं जिससे यह चारों ओर बिखर रही है। इससे संगम आने जाने वाले अन्य यात्री एवं पर्यटकों को भी दिक्कतें उठानी पड़ रही है। नगर पालिका और प्रशासन इस दिशा में कोई भी योजना नहीं बना पाया है जिससे समस्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। रुद्रप्रयाग संगम पंचप्रयागों में प्रमुख प्रयाग है किंतु इसकी पवित्रता के प्रति न तो प्रशासन गंभीर है और न ही नगर पालिका इस दिशा में बेहतर कार्यवाही कर रही है। जिससे आए दिन यहां गंदगी फैल रही है। सबसे बड़ी समस्या चारों ओर कपड़े, अधजली लकड़ी, बाल और अन्य सामग्री बिखरी पड़ी है जिससे संगम आने जाने वाले यात्री, पर्यटक एवं स्थानीय लोगों को दिक्कतें उठानी पड़ रही है। नगर सभासद सुरेंद्र रावत ने कहा कि संगम स्थल की पवित्रता के लिए ठोस योजना बनाई जानी चाहिए। यहां दाह संस्कार करने आ रहे लोगों को भी जागरूक करने की जरूरत है। इस तीर्थस्थल की पवित्रता को बनाए रखना हर किसी की जिम्मेदारी है। सामाजिक कार्यकर्ता अशोक चौधरी ने कहा कि संगम में चारों ओर गंदगी फैलाना उचित नहीं है।

प्रशासन और नगर पालिका को यहां जागरूकता बोर्ड और निगरानी के लिए पर्यावरण मित्र रखे जाने चाहिए जिससे यहां स्वच्छता बनी रहे।

नाबालिगों को भगाने के दो आरोपी गिरफ्तार

चमोली : नाबालिगों से जुड़े संवेदनशील मामलों में चमोली पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मंगलवार को पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने मंगलवार को बताया कि दोनों मामलों में नाबालिगों को पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया सोमवार को आरोपी विपिन पंवार निवासी ग्राम मोल्टा, थाना ज्योतिर्मठ को गिरफ्तार किया गया है। एसपी ने बताया दूसरे मामले में आरोपी सूरज चंदोला निवासी ग्राम कल्चुना, पोस्ट गुडम, थाना थराली को भी पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। (एजेंसी)

26 से 28 फरवरी तक बिलखेत में होगा भव्य नयार घाटी साहसिक महोत्सव

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पौड़ी जिले की नयार घाटी आगामी फरवरी माह में साहसिक खेल गतिविधियों का बड़ा केंद्र बनने जा रही है। सतपुली क्षेत्र के बिलखेत में 26 से 28 फरवरी तक तीन दिवसीय नयार वैली एडवेंचर फेस्टिवल-2026 का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस दौरान पैराग्लाइडिंग, क्याकिंग, साइक्लिंग और एंग्लिंग जैसी रोमांचक गतिविधियों से पूरी नयार घाटी साहसिक खेलों और उत्साह से गूंज उठेगी। इस महोत्सव का आयोजन जिला प्रशासन, पर्यटन विभाग एवं मत्स्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। हाल ही में जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया के निर्देशन में पर्यटन विभाग द्वारा बिलखेत में पैराग्लाइडिंग का सफल ट्रायल किया गया था। ट्रायल की सफलता के बाद अब तीन दिवसीय महोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। जिला पर्यटन विकास अधिकारी खुशाल सिंह नेगी ने बताया कि नयार वैली एडवेंचर फेस्टिवल के अंतर्गत लैंसडाउन, खिर्सू और बिलखेत में साइक्लिंग रैली का आयोजन किया जाएगा। वहीं ढ़ाढूखाल से बिलखेत तक पैराग्लाइडिंग करायी जाएगी, जो प्रतिभागियों के लिए रोमांच के साथ-साथ नयार घाटी के प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत अनुभव भी प्रदान करेगी। इसके अलावा नयार नदी में क्याकिंग एवं एंग्लिंग प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी, जिससे जल आधारित साहसिक खेलों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। फेस्टिवल के दौरान बिलखेत में स्थानीय लोक संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। गढ़वाली लोकगीत, नृत्य और पारंपरिक प्रस्तुतियां पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

नयारघाटी को मिलेगी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान

जिला पर्यटन विकास अधिकारी खुशाल सिंह नेगी ने बताया कि इस तरह के साहसिक खेल महोत्सव से न केवल नयार घाटी को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी, बल्कि क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। बाहरी राज्यों से आने वाले पर्यटकों और खिलाड़ियों के कारण स्थानीय होटल व्यवसाय, होमस्टे, परिवहन और स्वरोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस फेस्टिवल में देश के विभिन्न राज्यों से पैराग्लाइडर, क्याकर्स, एंग्लर्स और साइक्लर्स भाग लेंगे। साहसिक खेलों में प्रतिभाग करने के इच्छुक लोगों के लिए पंजीकरण की व्यवस्था भी की जाएगी, ताकि आयोजन को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया जा सके।

नेहा ने इंटरनेशनल शूटिंग इवेंट्स ट्रायल्स के लिए किया क्वालिफाई

जयन्त प्रतिनिधि।

लैंसडौन : 68वीं नेशनल शूटिंग चैम्पियनशिप में गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल केंद्र शूटिंग क्लब की नेहा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंटरनेशनल शूटिंग इवेंट्स ट्रायल्स के लिए क्वालिफाई कर लिया है। यह सफलता न केवल नेहा को बल्कि गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल केंद्र शूटिंग क्लब और देश के लिए भी एक गर्व का क्षण है।

68वीं नेशनल शूटिंग चैम्पियनशिप में गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल केंद्र शूटिंग क्लब, लैंसडौन की युवा निशानेबाज नेहा पंवार पुत्री हवलदार मदन सिंह (जी.आर.आर.) ने 10 मीटर एयर पिस्टल महिला सब-यूथ वर्ग में 533/600 का प्रभावशाली स्कोर हासिल करके बड़ी सफलता हासिल की है। नेहा के इस शानदार प्रदर्शन से अगले साल होने वाले इंटरनेशनल इवेंट्स ट्रायल्स में भाग लेने हेतु क्वालिफाई कर लिया है। वह कुल 6 ट्रायल्स में हिस्सा लेंगी, जो आगामी वर्ष में आयोजित किए जायेंगे। नेहा ने अपने शूटिंग के सफर की शुरुआत गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल केंद्र शूटिंग क्लब, लैंसडौन से की, जिसकी नींव 02 अगस्त 2024 को रखी गयी। नेहा ने अपनी कड़ी मेहनत और उत्कृष्ट प्रदर्शन से प्री-स्टेट शूटिंग चैम्पियनशिप (देहरादून), 23वीं उत्तराखंड स्टेट शूटिंग चैम्पियनशिप (देहरादून), 44वीं नार्थ जोन प्री-नेशनल शूटिंग चैम्पियनशिप त्रिशूल रेंज (देहरादून) और 68वीं नेशनल शूटिंग चैम्पियनशिप (दिल्ली) के लिए क्वालिफाई किया। नेहा का यह शानदार प्रदर्शन गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल केंद्र शूटिंग क्लब और उनके परिवार के लिए गौरव का क्षण है। सभी को उम्मीद है कि वह इंटरनेशनल शूटिंग ट्रायल्स में भी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखेंगी और देश के लिए गौरव अर्जित करेंगी।

विजय दिवस पर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि, वीर नारियों किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : 1971 के युद्ध में भारत की शानदार विजय पर जिले में अमर शहीद सैनिकों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी गई। पुलिस एवं एनसीसी के जवानों ने अमर शहीदों को गार्ड ऑफ ऑनर देकर सलामी दी। इस दौरान राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नैग्वाड़, जीजीआईसी गोपेश्वर, आदर्श विद्या मंदिर, उत्तराखण्ड पब्लिक स्कूल और सुबोध प्रेम विद्या मंदिर के छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। विजय दिवस पर जिला पंचायत में आयोजित समारोह में मुख्य विकास अधिकारी डा. अभिषेक त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, जिला स्तरीय अधिकारियों, गणमान्य नागरिकों एवं पूर्व सैनिकों ने अमर शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए उनके बलिदान को नमन किया। इस मौके पर वीर नारियों और शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया। जिला पंचायत सभागार में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि वीर नारी कस्तूरा देवी व मुख्य विकास अधिकारी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने शहीद सैनिकों के परिजनों वीर नारियों व पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी विंग कमांडर चन्द्रशेखर आजाद गुप्ता (से0नि0) ने कहा कि 1971 में इसी दिन भारत-पाक युद्ध में देश के वीर सैनिकों ने अदम्य शौर्य का परिचय देते हुए दुश्मन देश के 93 हजार से अधिक सैनिकों को आत्म समर्पण करने को मजबूर कर दिया था।

अगस्त्यमुनि स्टेडियम निर्माण को लेकर विरोध जारी

रुद्रप्रयाग : अगस्त्यमुनि में प्रस्तावित स्पोर्ट्स स्टेडियम के निर्माण को लेकर चल रहा विवाद दूसरे दिन भी जारी रहा। इस दौरान आंदोलित लोगों ने उग्र होकर निर्माण का पुरजोर विरोध किया और निर्माण कार्य रुकवा दिया। इससे पहले प्रशासन द्वार निर्माण स्थल का मुख्य गेट बंद कर अंदर कार्य कराया गया, जिससे लोगों में जबर्दस्त आक्रोश देखा गया। मंगलवार को स्पोर्ट्स स्टेडिमय में हो रहे काम को बंद करने के लिए आक्रोशित ग्रामीणों ने गेट खोलने की मांग की। इस बीच यहां मौजूद बड़ी संख्या में पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच तीखी नोंक-झोंक और धक्का-मुक्की हुई। जब गेट नहीं खोला गया तो आक्रोशित लोगों ने दूसरे रास्ते से निर्माण स्थल के भीतर प्रवेश किया और अंदर जाकर जेसीबी मशीन के सामने खड़े हो गए। काम रोकते हुए सभी धरने पर बैठ गए। इससे निर्माण कार्य भी ठप हो गया। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि जब तक स्टेडियम निर्माण पूरी तरह बंद नहीं किया जाता, तब तक किसी भी हालत में मशीनें नहीं चलने दी जाएंगी। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कहा कि अब आर-पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे त्रिभुवन चौहान, अनिल बेंजवाल, राजेश बेंजवाल, भूपेंद्र बेंजवाल, उदयप्रताप सिंह, वैष्णी देवी सेमवाल, उमा कैंतुरा, दीपा देवी और सर्वेश्वरी गुसाईं आदि ने कहा कि अगस्त्यमुनि का यह मैदान मुनि महाराज और अगस्त्य ऋषि से जुड़ा पवित्र, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थल है।

गढ़वाल परिक्षेत्र में पुलिस का सख्त अभियान, 128 वांछित अपराधियों पर कार्रवाई

देहरादून। पुलिस मुख्यालय के आदेशानुसार गढ़वाल परिक्षेत्र के जनपदों में गंभीर अपराधों में संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान कुल 254 वांछित अपराधियों में से 128 के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई, जिनमें 03 इनामी अपराधी शामिल हैं। वही, शेष अभियुक्तों में से 09 पर ईनाम घोषित किया गया है। कोविड–19 अवधि में पैरोल पर छोड़े गए 07 विचाराधीन बंदियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश करते हुए जेल भेजा गया। इसके अतिरिक्त 16 अभियुक्तों के खिलाफ धारा 84/85 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की गई है।गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत 13 अभियुक्तों को चिन्हित कर उनकी अवैध संपत्तियों के जब्तीकरण की प्रक्रिया शुरू की गई है। वही, एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत 03 अभियुक्तों से अवैध रूप से अर्जित लगभग 14.52 लाख की संपत्ति जब्त की गई।

पचास बालिकाओं को स्कूली बैग वितरित किये

जयन्त प्रतिनिधि। पौडी : उप जिलाधिकारी के निर्देशानुसार बीटीएफ बैठक की शेष धनराशि से 20 स्कूल बैग एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी कोट के व्यक्तिगत रूप से 30 स्कूल बैग कुल 50 स्कूल बैग बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत स्कूली बालिकाओं को वितरण राजकीय इंटर कॉलेज देलचोरी में किया गया।

कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर प्रशिक्षका श्रीमती लक्ष्मी रावत ने छात्र-छात्राओं को वन स्टाफ सेंटर, पोक्सो एक्ट, गुड टच बेड टच, बाल विवाह के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बच्चों और महिलाओं के लिए हेल्पलाइन नंबर के बारे में भी बताया। उन्होंने छात्रों से लक्ष्य निर्धारित कर उसी दिशा में मेहनत करने प्रेरित किया। साथ ही व्यक्तिगत स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की बात कही। इस मौके पर बाल विकास परियोजना अधिकारी श्रीमती अंजू चमोली, मुख्य अतिथि क्षेत्र पंचायत सदस्य वीरेंद्र राणा, ग्राम प्रधान देल श्रीमती मनीषा देवी, प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज देल ने बालिकाओं को स्कूली बैग वितरित किये। कार्यक्रम में बाल विकास विभाग कोट महावीर फारासी सहित सुपरवाइजर एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ती उपस्थित रहे।

जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के तहत 115 न्याय पंचायतों में लगेंगे शिविर

न्याय पंचायतों में आज से शुरू होगें शिविर, 45 दिनों तक बहुउद्देशीय शिविर आयोजित होंगे

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जनपद में जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के तहत केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने के लिए 17 दिसंबर से बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किए जाएंगे। विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत की अध्यक्षता में आयोजित बैठक आयोजित की गयी। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि अभियान के अंतर्गत जनपद की 115 न्याय पंचायतों में शिविर लगाए जाएंगे, जिनमें आमजन की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जाएगा। रोस्टर के अनुसार न्याय पंचायतवार नोडल अधिकारियों की तैनाती कर दी गयी है। उन्होंने कहा कि शिविरों में उपस्थित लोगों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जाए और पात्र व्यक्तियों को तत्काल लाभ प्रदान किया जाए। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन लोगों को पूर्व में योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाया है, उनकी सूची तैयार कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर योजनाओं से जोड़ा जाए, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रह सके। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि शिविर समाप्त होने के बाद संबंधित अधिकारी निकटवर्ती गांवों का भ्रमण कर सभी पात्र व्यक्तियों के आवेदन पत्र भरवाना सुनिश्चित करें। कहा कि लक्ष्य यह रखा जाए कि संबंधित ग्राम पंचायत का प्रत्येक पात्र नागरिक सरकार की सभी योजनाओं से पूरी तरह लाभान्वित हो सके। उन्होंने सभी खंड विकास अधिकारियों को प्रत्येक ग्राम पंचायत में अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खंड स्तर पर समस्त सूचनाओं का संकलन संबंधित खंड विकास अधिकारी तथा जनपद स्तर पर जिला विकास अधिकारी द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनपद में अधिक न्याय पंचायत होने के चलते यह शिविर 18 मार्च, 2026 तक आयोजित होंगे। इस अवसर पर पीडी डीआरडीए विवेक कुमार उपाध्याय, अर्थ एवं संख्याधिकारी राम सलोने, जिला पर्यटन विकास अधिकारी खुशाल सिंह नेगी, अपर मुख्य कार्याधिकारी भावना रावत, जिला शिक्षा अधिकारी रणजीत सिंह नेगी, एसडीओ वन आयशा बिष्ट, डीपीआरओ जितेंद्र कुमार, अपर जिला समाज कल्याण अधिकारी अनिल सेमवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

समस्याओं का समबद्ध निस्तारण करें

अपर जिलाधिकारी अनिल सिंह गर्ब्याल ने कहा कि जिन लोगों का अभी तक यूसीसी में पंजीकरण नहीं हुआ है, उनके पंजीकरण के लिए बाल विकास, शिक्षा एवं पंचायतीराज विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य करें। उन्होंने शिविरों के दौरान भूकंप से संबंधित जानकारी के लिए भूदेव एप इंस्टॉल कराने को भी कहा। उन्होंने कहा कि शिविरों में जनसमस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनका समयबद्ध निस्तारण किया जाए, ताकि अभियान का वास्तविक लाभ आम जनता तक पहुंच सके।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com